CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

Module PH-8

# || the gurukul ||

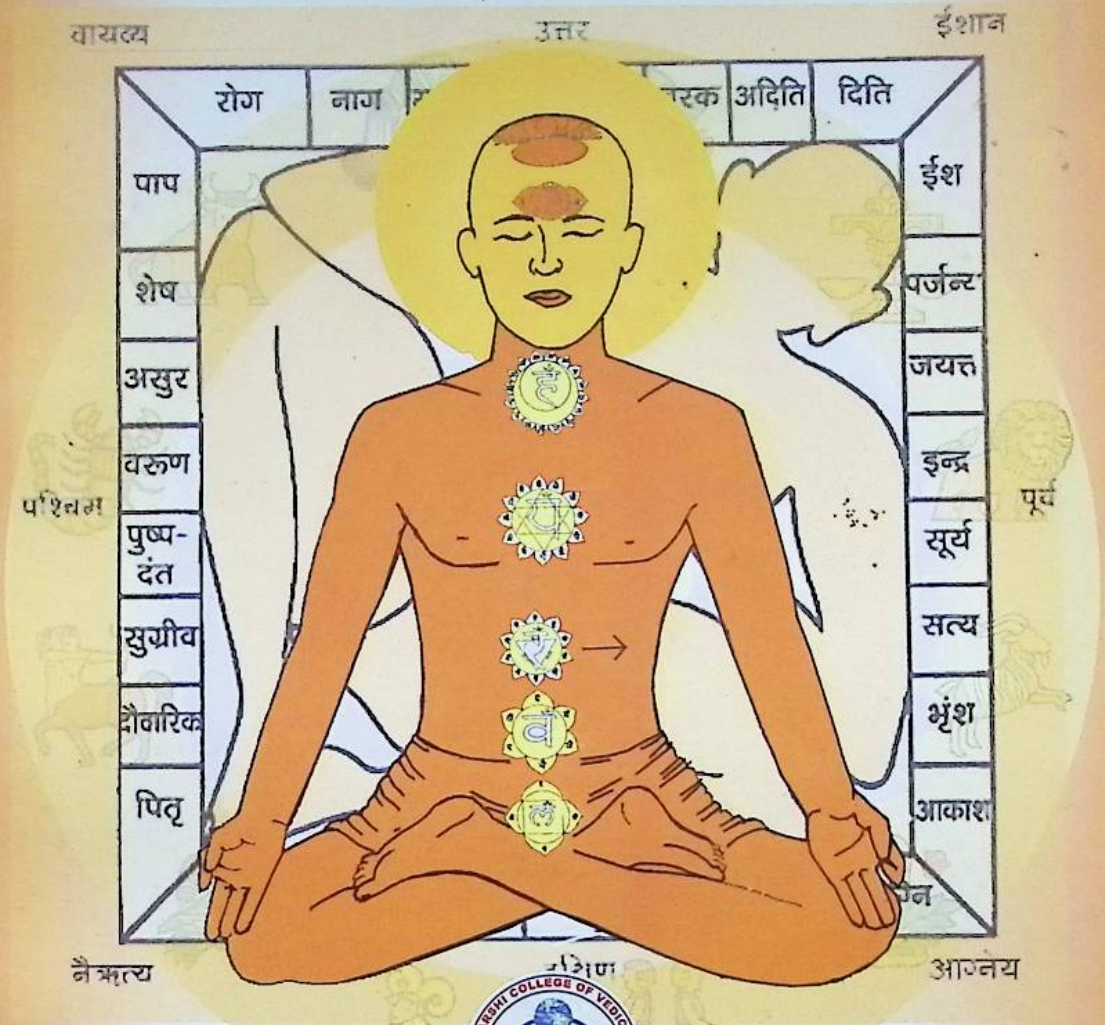


SHREE
# MAHARSHI COLLEGE OF VEDIC ASTROLOGY

*The Harmony of Space & Elegance*

*A Unit of KNS Society*

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



# Vedic Palmistry
# Module - 8

## अनुक्रमणिका

अध्याय 1 : मस्तिष्क रेखा 1



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

# मस्तिष्क रेखा

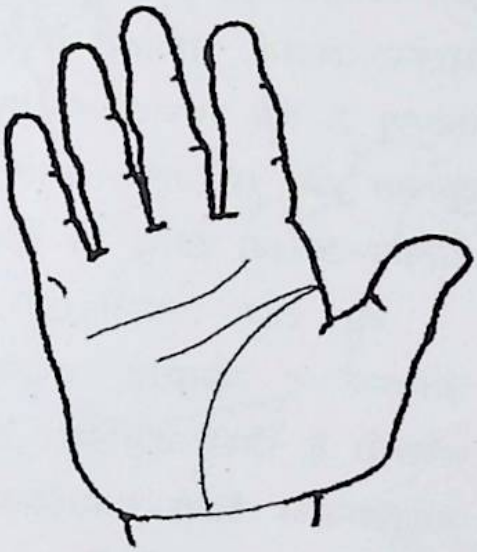

मानव के हाथ में बुद्धि या विचार को प्रकट करने के लिये मस्तिष्क का स्थान है। एक तरह से पूरे शरीर को सम्हालने वाली वैचारिक मस्तिष्क द्वारा नियंत्रण हो शरीर का संचालन करती है। ठीक उसी प्रकार मानव की हथेली में इस रेखा का प्रावधान है जो अपनी बनावट तथा संरचना से कई तरह के भेद प्रकट करती है हस्त विज्ञान में इसे मातृ रेखा भी कहते है। वैज्ञानिकों द्वारा यह बात सिद्ध हो चुकी है कि मस्तिष्क रेखा मानव के मस्तिष्क के विचारों, कल्पना शक्ति मनोवृत्तियों से सीधा संबंध रखती है। इसी की बदोलत मानव सभी प्राणी में अग्रणी हो पूरे जगत का उपभोग करता मानव में मन बुद्धि और आत्म शक्ति सदैव परिवर्तनशील

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



है तथा बाह्य व आन्तरिक स्थिति के अनुसार बदलते रहते है। जिसके द्वारा क्रियान्वित हो कार्य पूर्ण होते है तथा अलग–अलग मानवों में विभिन्नताएं उत्पन्न होती है। यही कारण है कि मानव की मस्तिष्क रेखा मे अन्य रेखाओं की तुलना में परिवर्तन होते रहते है अर्थात् मस्तिष्क रेखा अलग–अलग आयु में स्थिति अनुसार होती है।

यह रेखा अपनी एक ही स्थिति में परन्तु अलग–अलग आकार व बनावट अनुसार अपने परिणामों की भिन्नता बताती है जैसे वर्गाकार हाथों में लंबी सीधी मस्तिष्क रेखा, अनुशासन प्रिय व्यवस्थित तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाला होना प्रकट करती हैं।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



परन्तु चंद्र क्षेत्र की ओर झुकी हुई मस्तिष्क रेखा जातक में कल्पना शक्ति को बढ़ावा देती हुई व्यवहारिक रूप में परिणित करने की शक्ति प्रदान करती है।

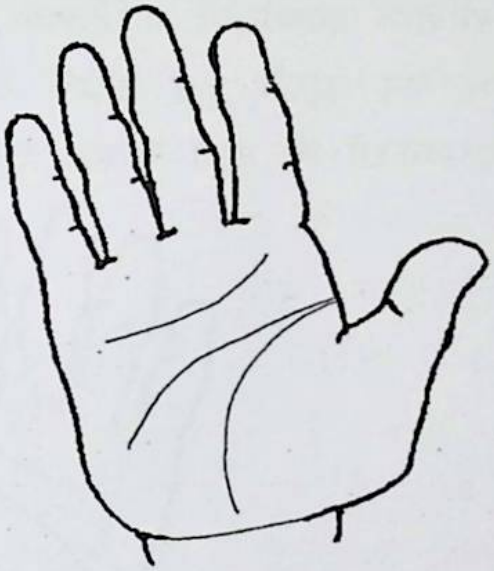

इसके विपरित निम्न श्रेणी के हाथों में मस्तिष्क रेखा प्रायः विकसित ही नहीं हो पाती है जो कि जातक की अज्ञानता तथा मुढ्ता की ओर इंगित करती है। प्रायः इनमें दया करूणा की भावना नदारद् रहती है वे किसी भी कार्य को सोचने समझने की शक्ति नहीं रखतें है, ऐसे हाथों में मस्तिष्क रेखा प्रायः बहुत छोटी या अविकसित अवस्था में रहती है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



दार्शनिक हाथों में मस्तिष्क रेखा प्रायः घुमावदार लंबी चंद्र क्षेत्र पर झुकी हुई रहती है। क्योकि जातक सनकी तथा कल्पनाओं में गुम बनाई हुई दुनिया में ही रहना चाहते है।

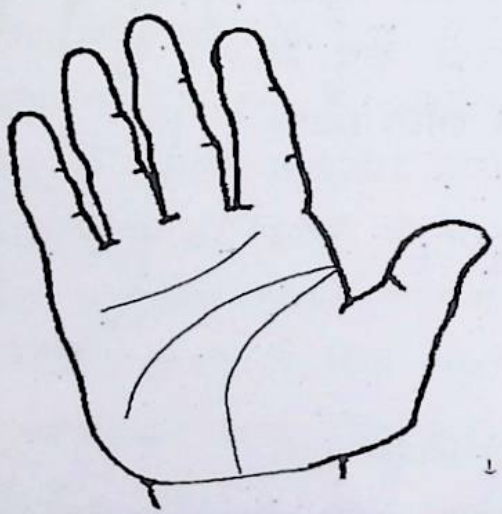

परन्तु दार्शनिक हाथों में सीधी रेखा में जातक को आलोचनात्मक दृष्टिकोण व दूसरों में दोष ढुंढ़ने वाला बनाती है। इन सभी बातों से हमें यह बात दृष्टिगोचर होती है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



सीधी लंबी मस्तिष्क रेखा गुणों को दृढ़ता तथा भावनाओं को कमजोर बनाती है।

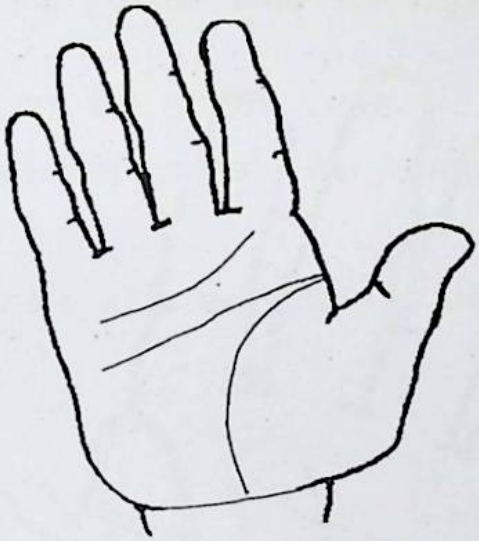

वहीं चंद्र क्षेत्र में झुकी हुई मस्तिष्क रेखा, कल्पना शीलता, दमा व भावुकता को बढ़ावा देती है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



छोटी या अविकसित मस्तिष्क रेखा जातक की बुद्धिहिनता, गवारपन, तथा पशुता का ज्ञान कराती है।

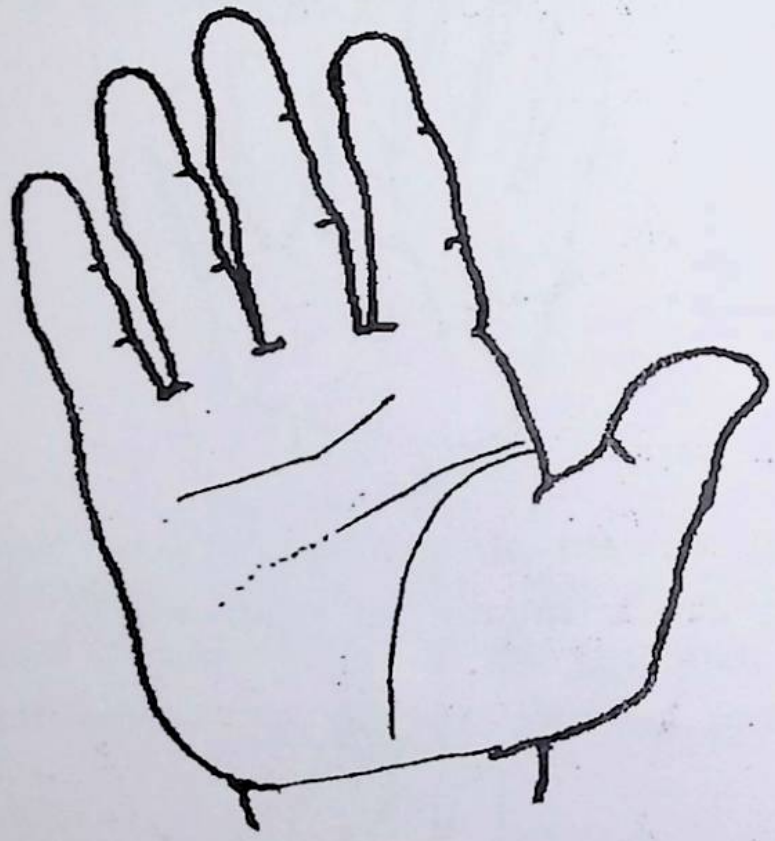

मस्तिष्क रेखा को विस्तृत रूप से समझने के लिये व्यवस्थित प्रणाली अलग-अलग प्रभाव में अध्ययन करेंगे।

1. मस्तिष्क रेखा का प्रारंभ स्थल
2. मस्तिष्क रेखा का समापन स्थल
3. मस्तिष्क रेखा तथा ग्रह प्रदेश
4. मस्तिष्क रेखा का स्वरूप दोष
5. मस्तिष्क रेखा व अन्य मुख्य रेखाओं से संबंध



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



6. मस्तिष्क रेखा व प्रभावी रेखाएं
7. मस्तिष्क रेखा व चिन्ह।

## 1. मस्तिष्क रेखा का प्रारंभ स्थल

मस्तिष्क रेखा का उद्‌गम तीन स्थलों से हो सकता है।

अ. गुरू पर्वत क्षेत्र का आधार स्थल।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



ब. निम्न मंगल पर्वत क्षेत्र का आधार स्थल।

स. जीवन रेखा के आधार से जुड़ा स्थल।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## अ. गुरू पर्वत क्षेत्र का आधार स्थल।

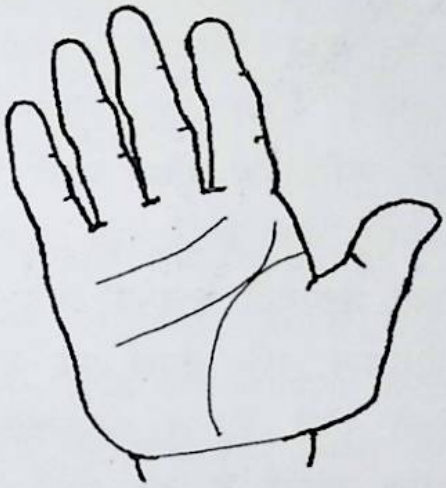

1. गुरू पर्वत के नीचे से निकल जीवन रेखा से स्पर्श करती हुई आगे जाये तब जातक अत्यधिक महत्वाकांक्षी तथा कुशल नेतृत्व करने वाला तथा परिश्रमी होता है। वह योजनाकार तथा उसे क्रियान्वयन की क्षमता रखता है तथा सफल जीवन व्यतीत करता है।

2. गुरू पर्वत क्षेत्र से निकल जीवन रेखा के करीब से थोड़ी दूरी बनाकर निकलती हुई रेखा वाला जातक में महत्वकांक्षा तथा नेतृत्व के गुण तो रहेंगे परन्तु विपरित स्थिति में विचलित होना व धैर्य की कमी रहेगी परन्तु व्यवहारिकता अधिक होगी इसी के कारण कार्य कुशल कूटनीतिज्ञ होते है एवं मौका परस्त होते हैं।



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



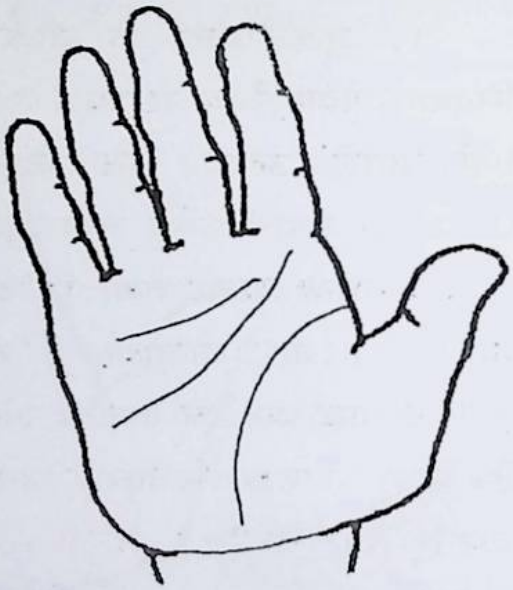

**3.** गुरू क्षेत्र से निकल एक बड़ा फासला रखकर (जीवन रेखा से) निकलती हुई मस्तिष्क रेखा होने पर जातक धैर्य नहीं रख सकता तथा उतावले पन में बड़े या जोखिम भरे कार्य में हाथ ड़ाल लेते है व असफलता प्राप्त करते है या थोड़ी सी सफलता प्राप्त कर अहंकार पाल लेते है और अपना अहित करते है।

**ब. निम्न मंगल पर्वत क्षेत्र का आधार स्थल से प्रारंभ**

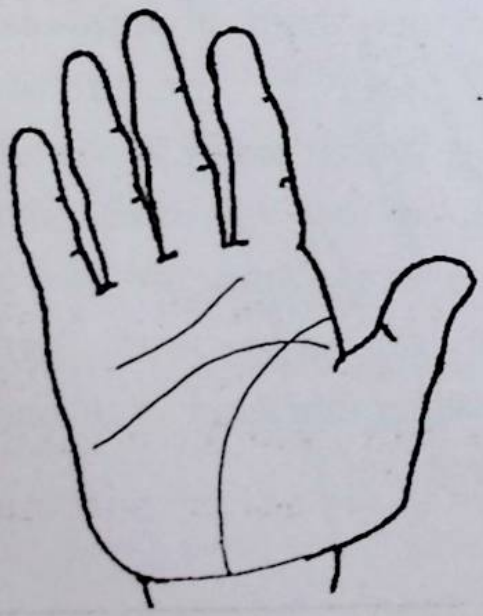

निम्न मंगल क्षेत्र से प्रारंभ होने वाली मस्तिष्क रेखा को अच्छा नहीं माना गया है। ऐसा जातक अस्थिर विचारों वाला तथा किसी भी कार्य को बिना सोचे समझे करने वाला उतावला व्यक्ति होता है निम्न मंगल क्षेत्र से निकलने वाली मस्तिष्क रेखा को शुभ नहीं माना जाता है।



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## स. जीवन रेखा से जुड़ी आधार स्थल से प्रारंभ

जब मस्तिष्क रेखा का उद्‌गम जीवन रेखा के साथ व विभिन्न लंबाई के साथ हो तब जातक को कई गुणों में विभिन्नताएं उत्पन्न होती है जो निम्न है।

1. जब आरंभ में हो दोनों रेखाएं एक दूसरे से जुड़ उत्पन्न हो तब जातक संवेदनशील संतुलित विचारों वाला होने से हर कार्य को सोच समझकर बुद्धि का उपयोग करता है इन्हीं कारणों से सदैव हर कार्य में सफलता प्राप्त कर आनंद पूर्वक जीवन व्यतीत करता है।

2. जब मस्तिष्क रेखा का प्रारंभ जीवन रेखा के मध्य शनि पर्वत क्षेत्र के नीचे से हो तब जातक अज्ञानी तथा कम शिक्षा वाला व बड़ी उम्र में ज्ञान प्राप्त करता है। यदि जीवन रेखा भी छोटी हो तो जातक का जीवन कम या आकस्मिक मृत्यु का योग होता है।



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



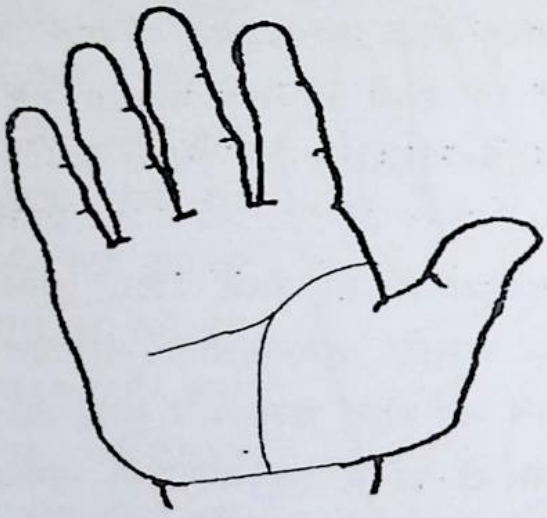

3. जब मस्तिष्क रेखा जीवन रेखा तथा हृदय रेखा तीनों एक ही बिंदु स्थान में उदित हो तो अशुभ होता है तथा मृत्यु का योग बनता है तथा वाहन दुर्घटना अथवा जोखिम भरे कार्य से मृत्यु निश्चित है।

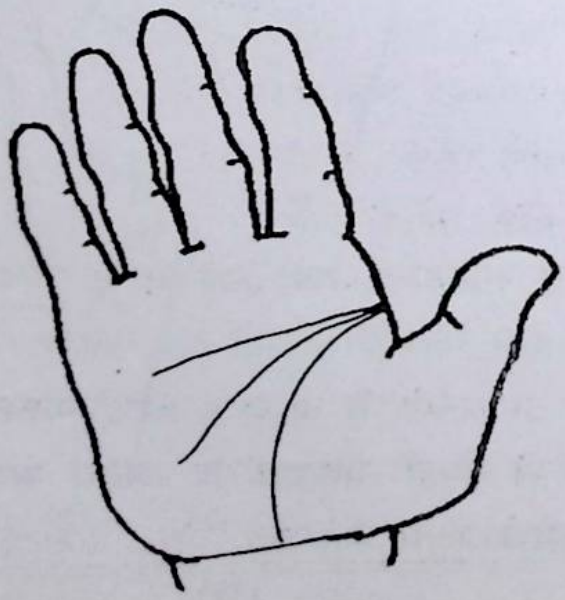



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



4. जब मस्तिष्क रेखा जीवन रेखा के प्रारंभ से जुड़कर साथ चलती हुई थोड़ी दूरी पर जाकर अलग हो, तब जातक स्व निर्णय लेने की शक्ति नहीं रखता तथा व्यस्क होने तक परावलंबी होता है अतः काफी समय दूसरों के निर्णय पर आश्रित रहने से आत्म विश्वास की कमी रहती है उम्र बढ़ने पर ही ये कमियां दूर होती है।

## 2. मस्तिष्क रेखा का समापन

किसी भी रेखा का प्रारंभ स्थल व समापन स्थल महत्वपूर्ण होता हैं क्योंकि उस स्थल विशेष के गुण व अवगुणों का समावेश उस रेखा मे होता है।

### 1. हाथ को विभाजित करती मस्तिष्क रेखा

हथेली में मध्य क्षेत्र को दो भागों में विभाजित करती हुई मस्तिष्क रेखा अत्यधिक बौद्धिक क्षमता की परिचायक है



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



क्योंकि रेखा मानसिक व भौतिक क्षेत्र को अलग करती है अर्थात् विवेक व बुद्धि का संतुलन होता है पर अत्यधिक चतुरता मानव में स्वार्थ व घमंड़ उत्पन्न करती है अतः मानवीय संवेदनाओं का खात्मा हो जाता है फिर भी जीवन में सफलतम होते है।

**2. उच्च मंगल क्षेत्र पर चंद्र क्षेत्र की ओर ढ़लान लिये हुये रेखा**

मध्य क्षेत्र को विभाजित करती हुई उच्च मंगल क्षेत्र पर खत्म हो ओर नीचे की ओर ढ़लान लिये हो तथा जातक विवेकशील तथा संतुलित व्यक्तित्व का स्वामी होता है कल्पनाओं को साकार करने की पूर्ण क्षमता रखता है।



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



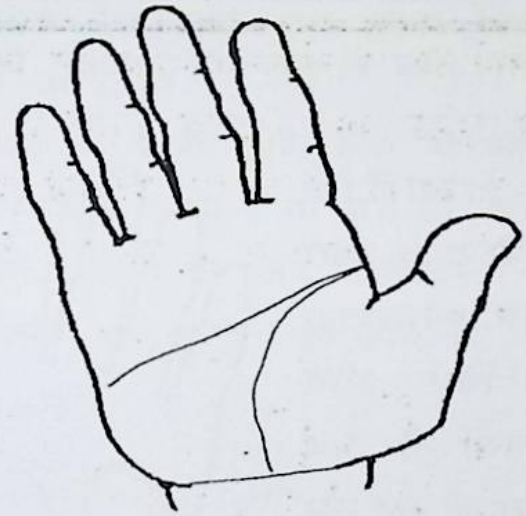

**3. उच्च मंगल क्षेत्र पर बुध क्षेत्र की ओर ढ़लान लिये हुए**

मध्य क्षेत्र को विभाजित कर उच्च मंगल क्षेत्र पर बुध क्षेत्र की ओर ऊपर की ओर उठी हुई हो तब जातक व्यापारिक चातुर्य वाला अथवा चिकित्सक, विज्ञान के क्षेत्रों में सफलताएं प्राप्त करता है परन्तु मानवीय सर्वेदना की कमी होने से स्वार्थी हो जाता है। जातक के सहयोगी सदैव उसके कारण दुःख प्राप्त करते है।

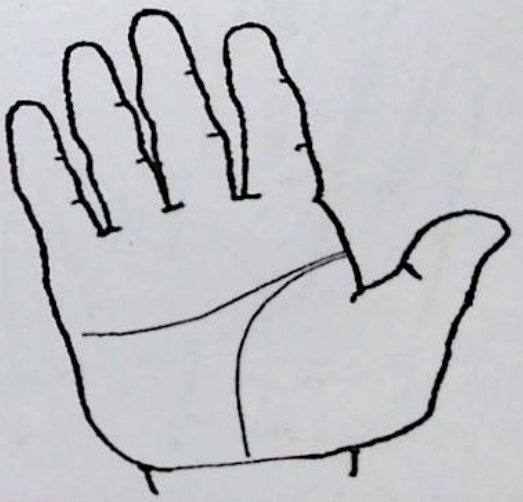



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



4. उच्च मंगल क्षेत्र में हुक की आकृति लिये खत्म हो:-

जातक अत्यधिक स्वाभिमानी होने से दुःख प्राप्त करता है तथा आत्मविश्वास ज्यादा होने से बिना सोचे समझे कठिन कार्यों में हाथ ड़ालकर असफलताओं का मुंह देखता है।

5. मस्तिष्क रेखा का अंत शनि क्षेत्र में हो:-

जब मस्तिष्क रेखा ऊपर की ओर मुड़कर मध्यम अंगुली के उद्गम तक पहुँच जाये तब जातक के जीवन में दुर्घटना होने पर मस्तिष्क में घातक आघात् पहुँचता है तथा मृत्यु तक हो सकती है।



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



**6. मस्तिष्क रेखा का अंत हृदय रेखा पर खत्म हो शनि क्षेत्र की ओर हो**

इस अवस्था में रेखा शनि क्षेत्र में मध्यमा अंगुली के उद्गम तक न पहुँच हृदय रेखा पर ही खत्म हो जाती है। ऐसी अवस्था में जातक के सिर में चोट तो पहुँचती है परन्तु दुर्घटना में जातक की मृत्यु नहीं होती।

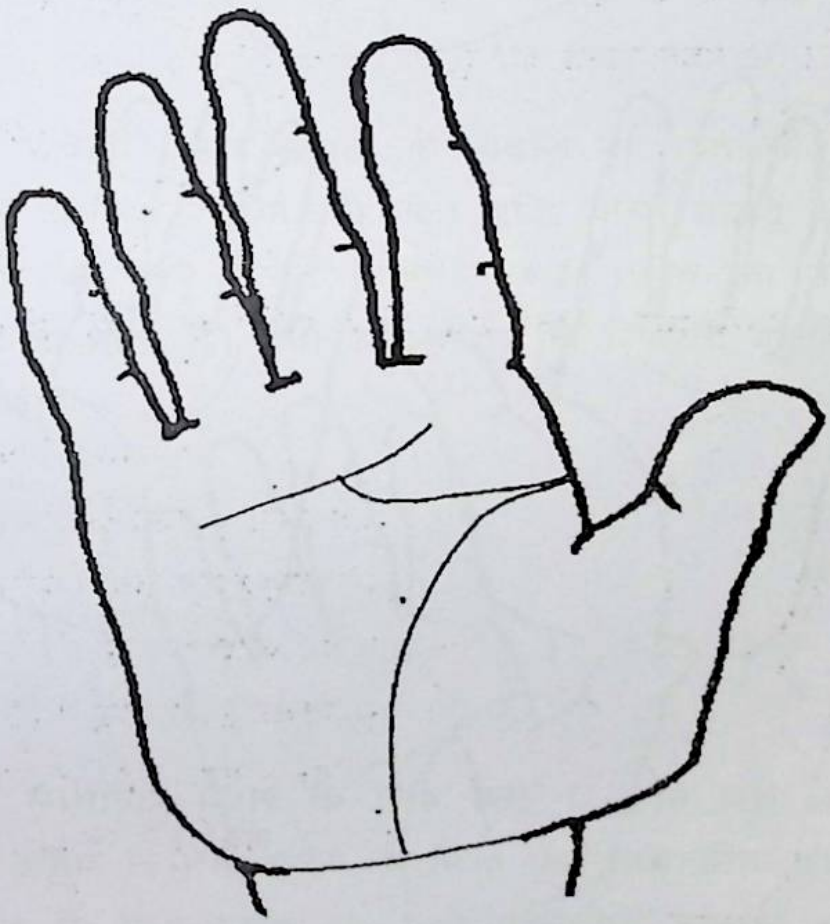



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



### 7. सूर्य क्षेत्र पर समापन

यदि मस्तिष्क रेखा का समापन सूर्य पर्वत पर ओर अनामिका के मूल पर हो तब जातक साहत्यिक रूचि रखने वाला व कला व संगीत का प्रेमी होता है। यह रेखा मूल पर न जाकर हृदय रेखा पर सूर्य क्षेत्र पर रूक जाये तब साहित्य व संगीत के क्षेत्रों में काफी सफलता प्राप्त कर प्रसिद्धी प्राप्त करता है।

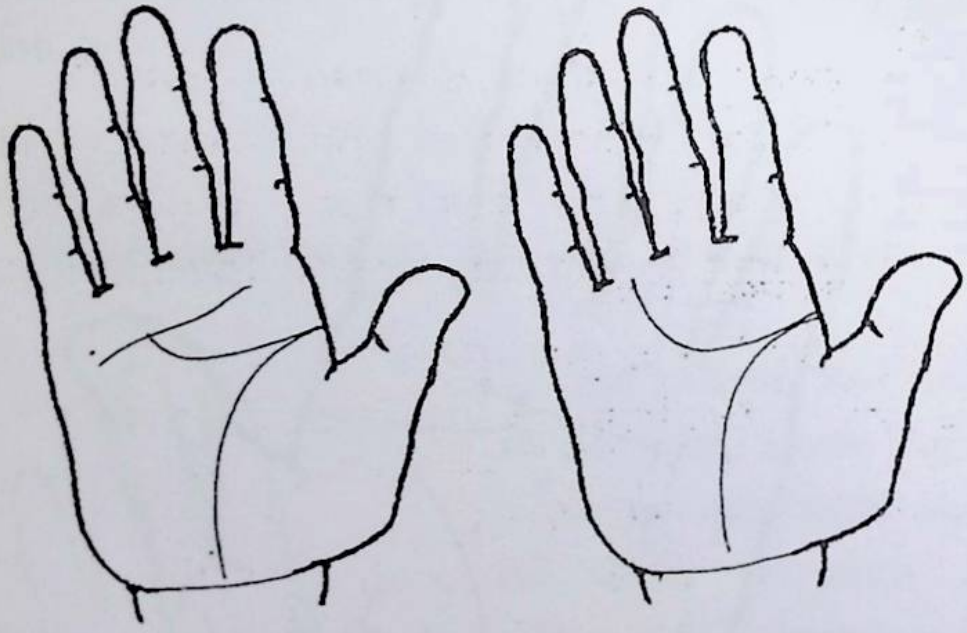

### 8. बुध क्षेत्र व सूर्य क्षेत्र के मध्य समापन

जब मस्तिष्क रेखा क्षेत्रों के मध्य क्षेत्र में पहुँच समाप्त हो तब जातक चिकित्सा क्षेत्र या अनुसंधानों में बड़ी–बड़ी सफलता अर्जित करता है।



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



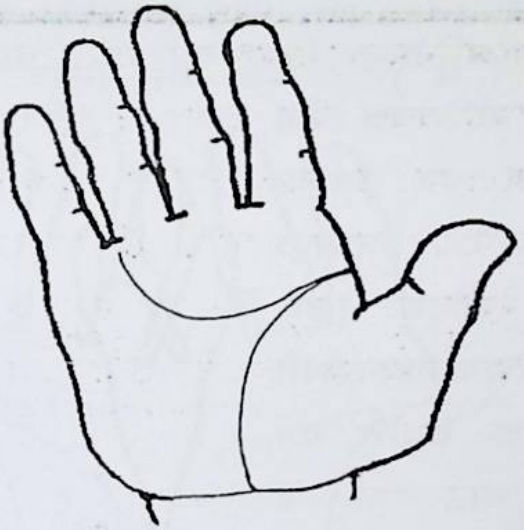

## ९. हथेली मध्य मंगल के मैदान में समाप्त

इस अवस्था में जातक अल्प बुद्धि वाला परन्तु मशीनों के सबंध में रूचि रखने वाला व श्रम शक्ति का उपयोग करने वाला होता है। तथा उसे जीवन में स्थिरता कभी प्राप्त नहीं होती।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



**10. यदि मस्तिष्क रेखा का अंत चंद्र क्षेत्र पर हो**

जातक की मस्तिष्क रेखा चंद्र पर्वत क्षेत्र पर जाकर समाप्त होने पर, जातक भावना प्रधान, सौंदर्य प्रेमी, चचंल प्रवृत्ति का एवं कलाप्रेमी होता है। भावुक प्रवृत्ति का होने पर कई बार धन की हानि भी उठाता है।

**11. जीवन रेखा पर कुछ टूटी पर चलती हुई चंद्र क्षेत्र के अंत तक पहुँचे**

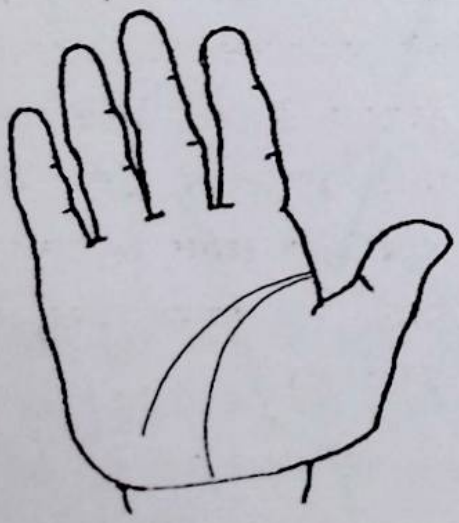

ऐसी अवस्था में जातक बहुत संवेदनशील तथा छोटी सी समस्या में विचलित होने वाला, सदैव व्याकुल भाव रखने वाला तथा आत्म हत्या करते भी हिचकता नहीं हैं।



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



**12. छोटी मस्तिष्क रेखा तथा शनि क्षेत्र पर समापन**

अल्प बुद्धि वाला तथा कम आयु में मस्तिष्क रोग से मृत्यु होती है।

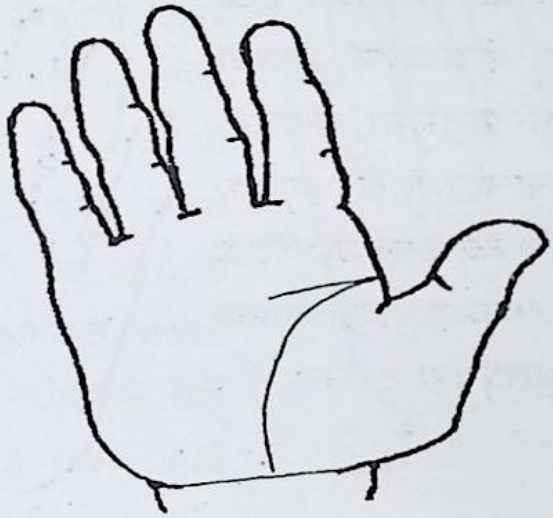

**3. मस्तिष्क रेखा तथा ग्रह प्रदेश**

पर्वत क्षेत्र के गुण धर्म से रेखा पर प्रभाव पड़ता है यहां तक की रेखा के उद्‌गम व समापन स्थल विशेष के गुणों को समाहित कर फलादेश बदलता है अतः रेखा का व पर्वत क्षेत्रों का संबंध बहुत बारिकी व ध्यान से अध्ययन करने का विषय वस्तु बन जाता है।

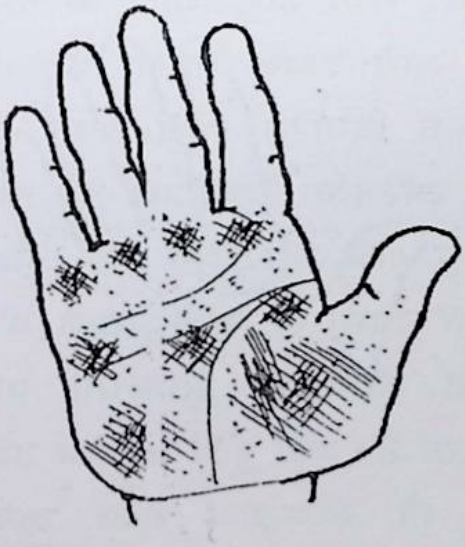



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



### 1. गुरू पर्वत क्षेत्र से प्रारंभ होने वाली मस्तिष्क रेखा

गुरू पर्वत से प्रारंभ होने वाली रेखा जातक में कुशल नेतृत्व तथा संतुलित बौद्धिक क्षमता प्रदान करती है। जातक महत्वाकांक्षी हो कार्य में लिप्त रहता है तथा सफल जीवन व्यतीत करता है।

### 2. मस्तिष्क रेखा शनि पर्वत की ओर उठी हुई हो

यदि जातक की मस्तिष्क रेखा एवं ऊपरी पर्वत क्षेत्र उठा हुआ हो तो जातक अध्ययनशील तथा अनुसंधान के कार्यो में रूचि रखने वाला होता है। इसके विपरित शनि पर्वत क्षेत्र पर मस्तिष्क रेखा उठी हुई हो व मध्य क्षेत्र उभरा हो तब जातक कृषि कार्यो में रूचि रखने वाला तथा खेती में सफलता प्राप्त करता है। यदि भौतिक क्षेत्र उभरा हो तो व्यवसाय तथा रूपया पैसा कमाने की प्रवृत्ति होगी।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



### 3. मस्तिष्क रेखा सूर्य पर्वत की ओर अधिक उठी हुई हो

जब जातक की मस्तिष्क रेखा सूर्य पर्वत क्षेत्र की ओर उठी हुई हो तो जातक अच्छे चरित्र वाला कलात्मक क्षेत्र में रूचि रखने वाला, यदि मध्य क्षेत्र उभरा हुआ हो तो जातक को दिखावे तथा बनावटी कार्यो में रूचि रहती है। जातक में धैर्य व पराक्रम की कोई कमी नहीं रहती है।

### 4. मस्तिष्क रेखा बुध पर्वत की ओर अधिक उठी हुई हो

यदि मस्तिष्क रेखा बुध क्षेत्र की तरफ उठी हुई हो तब जातक हर कार्य में व्यवसायिक बुद्धि व चातुर्य का उपयोग करने वाला होता है। यदि मध्य क्षेत्र उभार लिये हो तो जातक अध ययनशील वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखने वाला सफल चिकित्सक होता है अगर निचला सिरा उभरा हो तो केवल पैसा कमाना ही मुख्य उद्देश्य होता है।

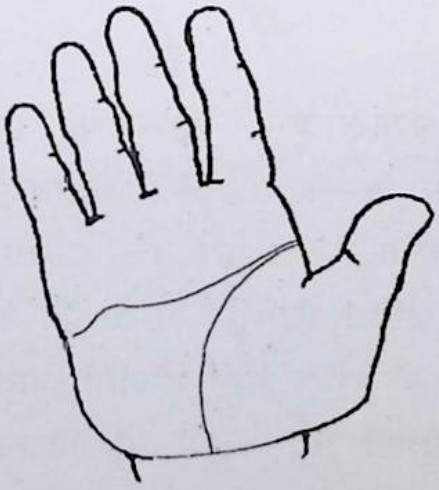



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 4. मस्तिष्क रेखा का स्वरूप व दोष

किसी भी रेखा का प्रभाव उसकी बनावट के साथ कम या ज्यादा होता है। यह कई प्रकार की हो सकती है।

### 1. अत्यधिक चौड़ी मस्तिष्क रेखा

जब मस्तिष्क रेखा ढ़लान लिये हुये अत्यधिक चौड़ाई लिये हो तब जातक व्यवहारिक बुद्धि वाला तथा स्वार्थी होता है तथा साहस की कमी लिये रहता है।

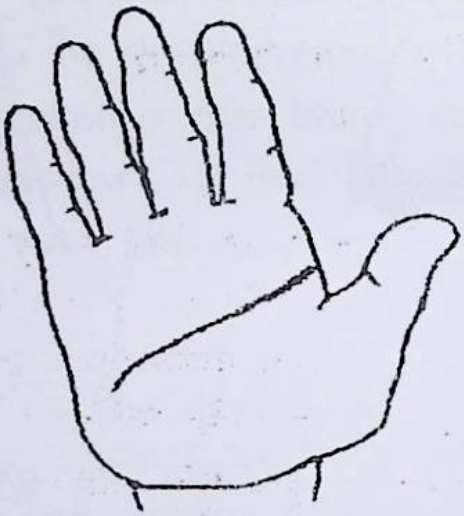

### 2. श्रृंखलाकार मस्तिष्क रेखा

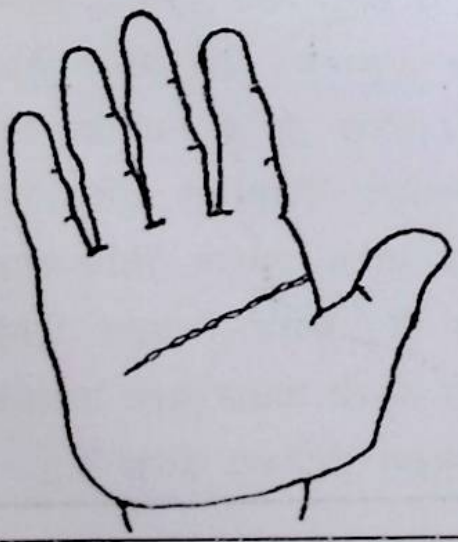

श्रृंखलाकार मस्तिष्क रेखा अशुभ मानी गई है। जातक के मस्तिष्क पर दबाव बना रहता है तथा सदैव चिंतित रहता है तथा कर्मो में गति नहीं होगी। जातक के किसी भी कार्य में स्थिरता नहीं होगी।



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



### 3. लहराती मस्तिष्क रेखा

यदि मस्तिष्क रेखा टेढ़ी–मेढ़ी व लहरदार हो तो जातक के मस्तिष्क की अस्थिरता को प्रकट करता है अर्थात् उसमें मानसिक स्तर में लगातार बदलाव या परिवर्तन होता रहता है। वह किसी भी कार्य को एकाग्रचित्ता से नहीं कर सकता है। ऐसे व्यक्ति विश्वास के योग्य नहीं होते क्योकि मनोवृत्ति स्थिर नहीं रहती है इसकी स्थिति अन्य रेखाओं के अनुसार अलग–अलग गुण लिये रहती है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



**अ. लहरदार मस्तिष्क रेखा हृदय रेखा के निकट हो**

जब जातक की मस्तिष्क रेखा लहरदार हो, हृदय रेखा के निकट पहुँच जाये तब जातक का विवेक शून्य होता है तथा उसके कर्मो व व्यक्तित्व में बेईमानी का समावेश हो जाता है।

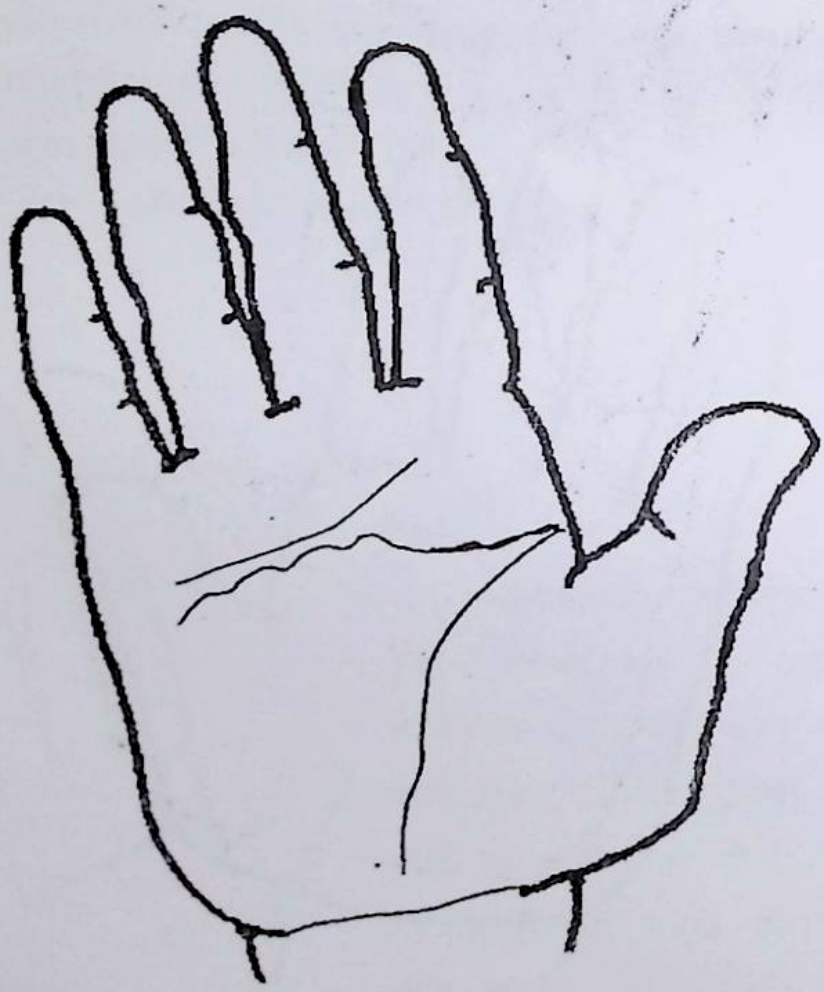



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



**ब. लहरदार मस्तिष्क रेखा बुध क्षेत्र के नीचे निकट हो**

जब जातक की मस्तिष्क रेखा लहरदार हो बुध या सूर्य पर्वत के नीचे निकट पहुँचे तब ऐसी अवस्था में जातक का मस्तिष्क विकार ग्रस्त हो पागलपन के दौरे तक पहुँच सकता है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



**स. लहरदार मस्तिष्क रेखा स्वास्थ्य रेखा को काटे**

लहरदार मस्तिष्क रेखा जब स्वास्थ्य रेखा को काटे या रेखा भी लहरदार हो तब ऐसी अवस्था में जातक का पाचन तंत्र खराब व मस्तिष्क में दर्द व विकार सुनिश्चित है। जातक सुस्त व निराशावादी होता है।

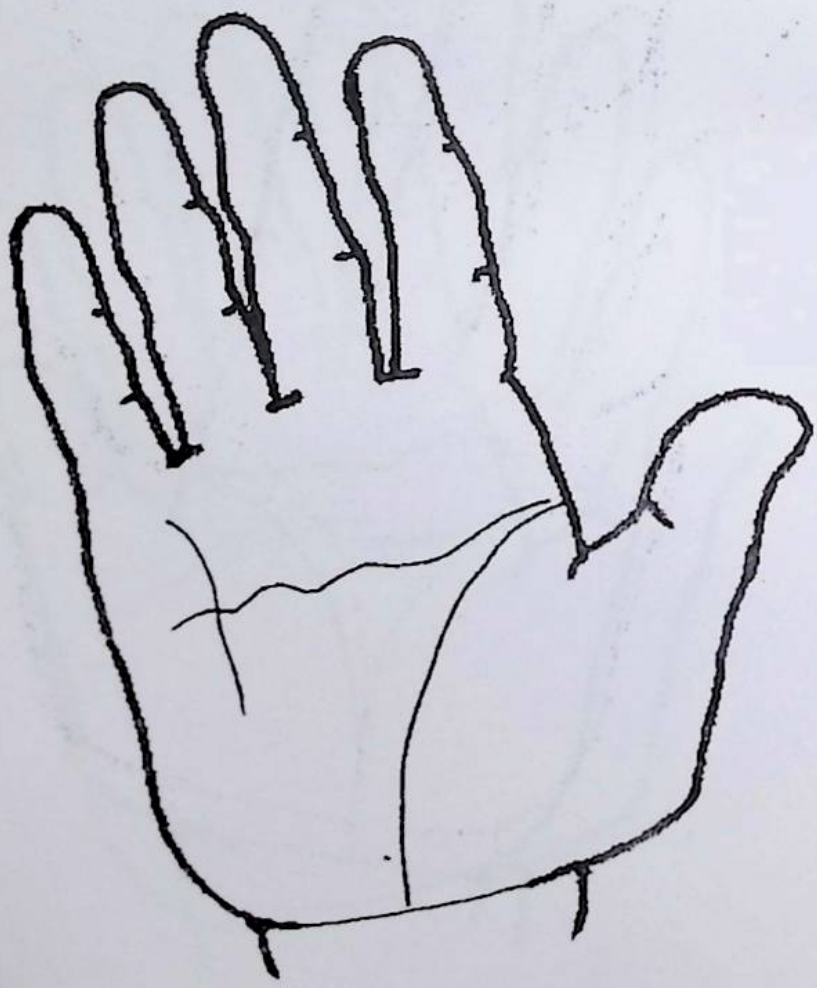



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



### 4. छोटी–छोटी टूकड़ों या सीढ़ीनुमा

सीढ़ीनुमा मस्तिष्क रेखा, जातक के स्वभाव में चंचल भाव तथा स्नायु तंत्र की खराबी तथा सदैव रोगी अवस्था बनाये रखती है।

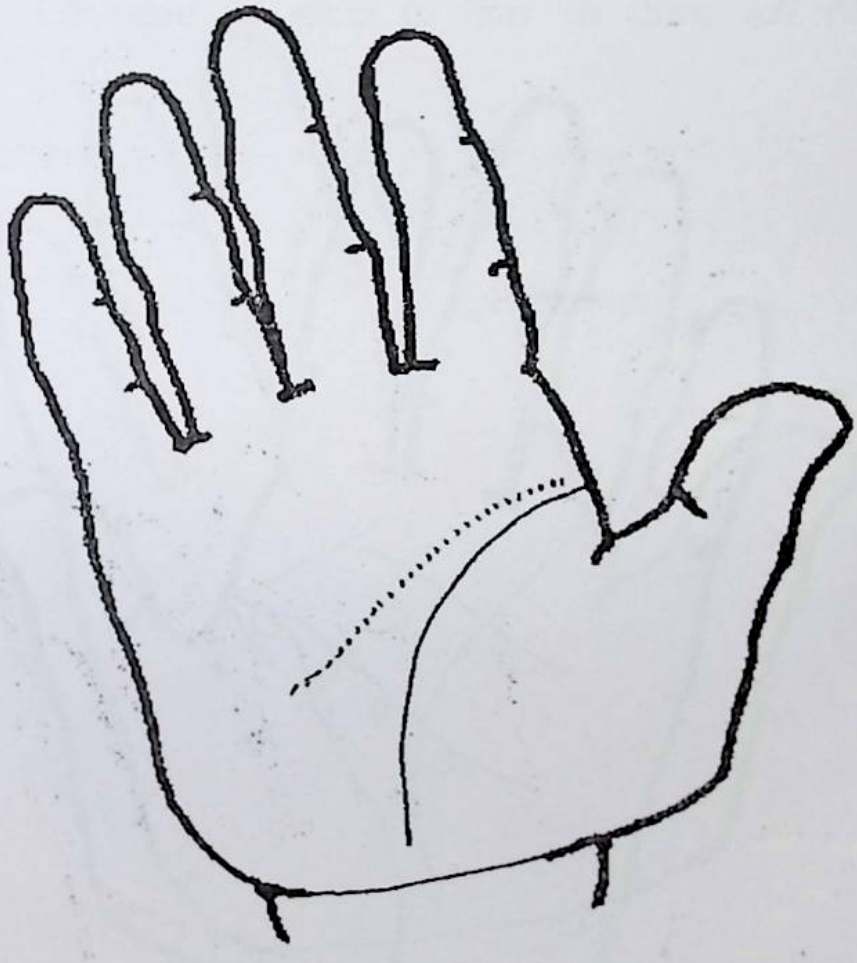



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 5. गठान युक्त मस्तिष्क रेखा

जब जातक की मस्तिष्क रेखा छोटी–छोटी गठान की आकृत्ति मे हो तब जातक की मानसिक शक्ति का लोप हो जाता है तथा मस्तिष्क में हिसंक व पाश्विक विचार ही आते है तथा जातक मनोरोगों से ग्रस्त रहता है तथा शारीरिक विकृति वह हड्डी के रोगों से ग्रस्त हो जाता है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 6. टूटी हुई मस्तिष्क रेखा

छोटे–छोटे टुकड़ों मे बनी हुई मस्तिष्क रेखा अशुभ फल कारक तथा दुर्घटना व मस्तिष्क की चोट या मस्तिष्क की बिमारीयों की ओर संकेत करती है।

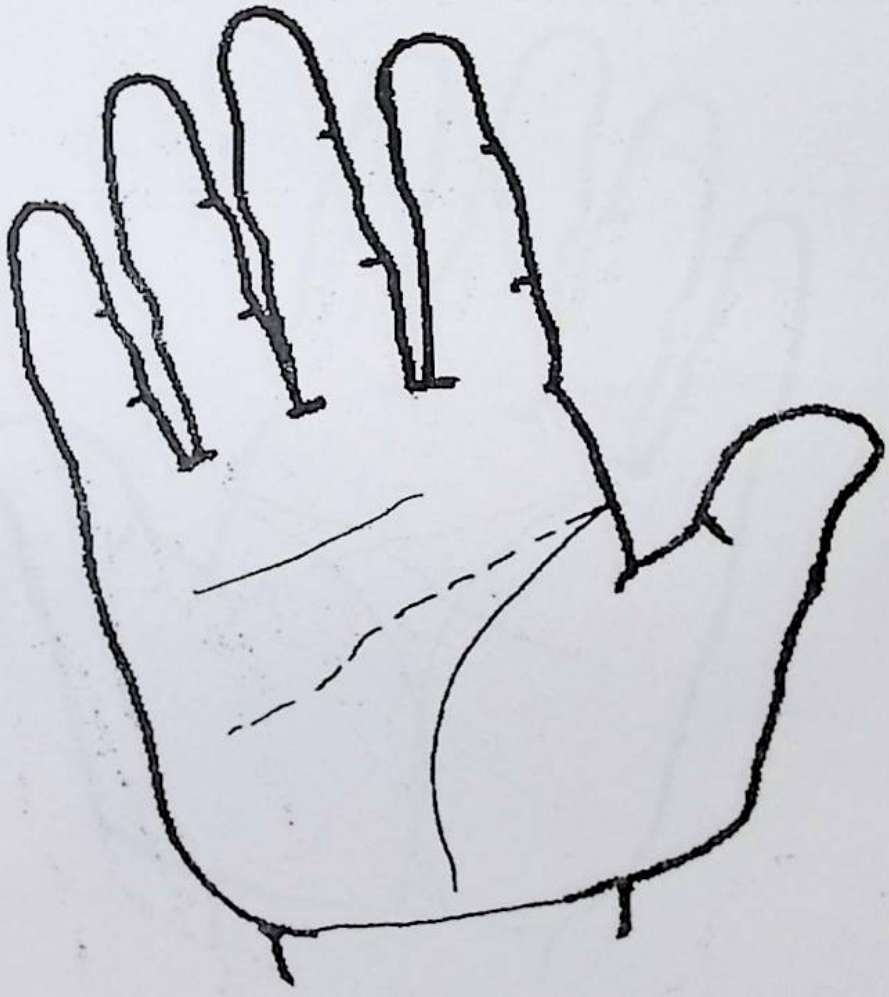



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 7. शनि क्षेत्र में टूटी हुई मस्तिष्क रेखा

जब मस्तिष्क रेखा शनि क्षेत्र के पास टूटी हुई अवस्था में हो तब मस्तिष्क की चोट से मृत्यु निश्चित है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## ४. सूर्य क्षेत्र में टूटी हुई मस्तिष्क रेखा

जब सूर्य क्षेत्र के नीचे मस्तिष्क रेखा टूटी हुई अवस्था मे हो तब चौपाये से दुर्घटना तथा रोग ग्रस्त अथवा नेत्रों में विकार होने की संभावना होती है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## ९. मस्तिष्क रेखा का कुछ दूरी पर चलकर अचानक मुड़ जाना

मस्तिष्क रेखा कुछ दूर चल अचानक ऊपर या चंद्र क्षेत्र में मुड़ जावे तब जातक की मानसिकता में परिवर्तन निश्चित है यह परिवर्तन परिस्थितियों अथवा भावनात्मकता के कारण होते है।

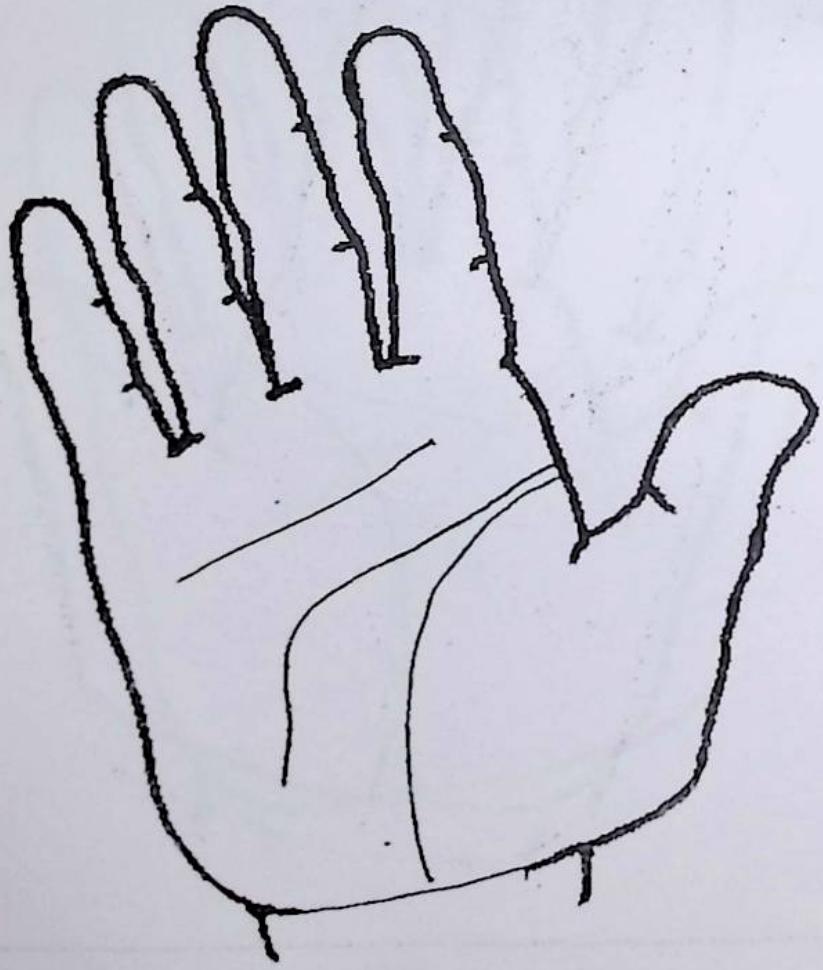



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 10. मस्तिष्क रेखा पर छोटी–छोटी शाखाओं का नीचे की ओर होना

मस्तिष्क रेखा पर छोटी–छोटी शाखाएं नीचे की ओर होना अशुभता लिये रहती है। यह जातक की बौद्धिक क्षमता में कमी तथा अस्थिरता उत्पन्न करती है। जातक कम मनोबल वाला तथा साहस की कमी के कारण अच्छे अवसर गवां देता है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 11. दो-दो मस्तिष्क रेखाओं का होना

बहुत कम हाथों में दोहरी मस्तिष्क रेखा पाई जाती है, परन्तु दोहरी मस्तिष्क रेखा जातक की दूगुनी मानसिकता का होना दर्शाती हैं। ऐसा जातक बुद्धिमान एवं विवेकशील होता है। उसका व्यक्तित्व भी दोहरा हो सकता है। जातक एक अच्छा वक्ता होते हुए कई विद्याओं में एकाधिकार रखता है। एक तरह से दोहरी मस्तिष्क रेखा जातक को प्रतिभाशाली बुद्धिमान तथा विलक्षण व स्वतंत्र प्रवृत्तियों वाला बनाती है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 5. मस्तिष्क रेखा व अन्य रेखाओं से संबंध

मस्तिष्क रेखा मुख्य रूप से मानव के बौद्धिक विचारों एवं दैनिक जीवन की व्यवहारिकता को दर्शाती है। इस रेखा का संबंध हृदय रेखा तथा जीवन रेखा के साथ सामंजस्य अलग–अलग गुण व दोषों को दर्शाता है। क्रमशः अध्ययन निम्न है।

### 1. मस्तिष्क रेखा तथा हृदय रेखा का संबंध

मस्तिष्क रेखा के करीब हृदय रेखा उपस्थित रहती मानव के जीवन में मस्तिष्क रेखा बौद्धिक क्षमता व हृदय रेखा भावनाओं का प्रतिनिधित्व करती है। इनका सामंजस्य अलग–अलग परिस्थितियों में अलग–अलग फलित प्रदान करता है।

### 2. सुदृढ़ मस्तिष्क रेखा, एवं हृदय रेखा का ना होना

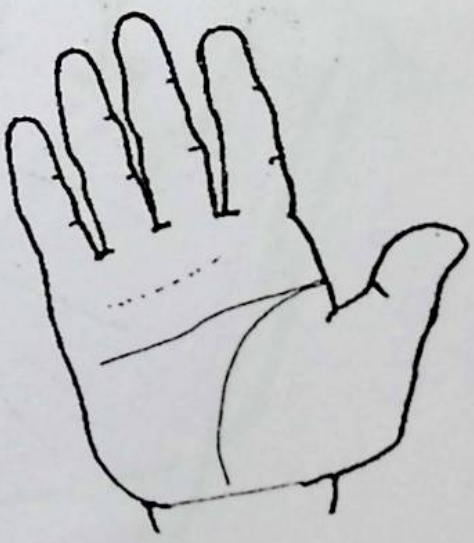

जब जातक की हृदय रेखा नदारद हो एवं मस्तिष्क रेखा स्पष्ट ओर सीधी हों तब जातक में संवेदनाओं व भावनाओं का अभाव हो जाता है। जातक लालची व स्वार्थ में लिप्त रहता है।



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 3. सुदृढ़ मस्तिष्क रेखा तथा निर्बल हृदय रेखा

हृदय रेखा स्थित हो परन्तु निर्बल हो तो जातक की भावनाओं पर बुद्धि का नियत्रंण बना रहता है। जातक बौद्धिक क्षमता का पूर्ण उपयोग करता है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 4. मस्तिष्क रेखा व हृदय रेखा की बीच की दुरी

मस्तिष्क रेखा व हृदय रेखा की बीच की दुरी सामान्य होने पर जातक बुद्धि व भावनाओं में संतुलन बराबर रखता है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 5. मस्तिष्क रेखा व हृदय रेखा की बीच की दूरी

मस्तिष्क रेखा व हृदय रेखा की बीच की दुरी अत्यधिक होने पर जातक दोहरे व्यक्तित्व वाला, कभी मस्तिष्क से काम लेने वाला कभी भावनाओं से काम लेने वाला होता है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 6. मस्तिष्क रेखा के अत्यंत करीब हृदय रेखा

जब मस्तिष्क रेखा ऊपर उठकर हृदय रेखा के अत्यंत करीब पहुँच जावे तब जातक की भावनाओं पर मस्तिष्क का पूर्ण नियंत्रण होगा।

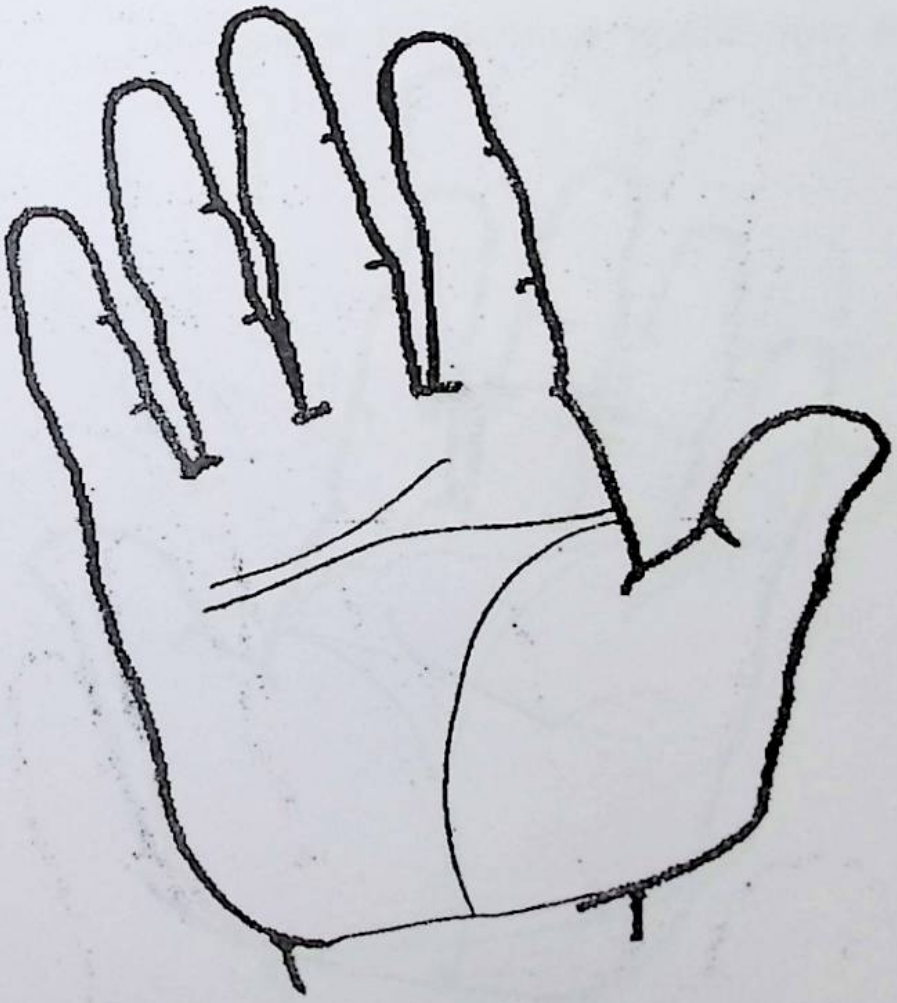



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 7. मस्तिष्क रेखा पर लिपटी हुई हृदय रेखा

जब पूर्ण सुदृढ़ मस्तिष्क रेखा पर हृदय रेखा बेल या लता की तरह लिपटी हुई अवस्था में हो तो जातक के मस्तिष्क में विचारों में अस्थिरता रहेगी। भावनाएं व संवेदनाएं ज्वार भाटे की तरह कभी एक दम बढी हुई या कभी लोप रहेगी तथा बौद्धिक क्षमताओं को कम करेगी।

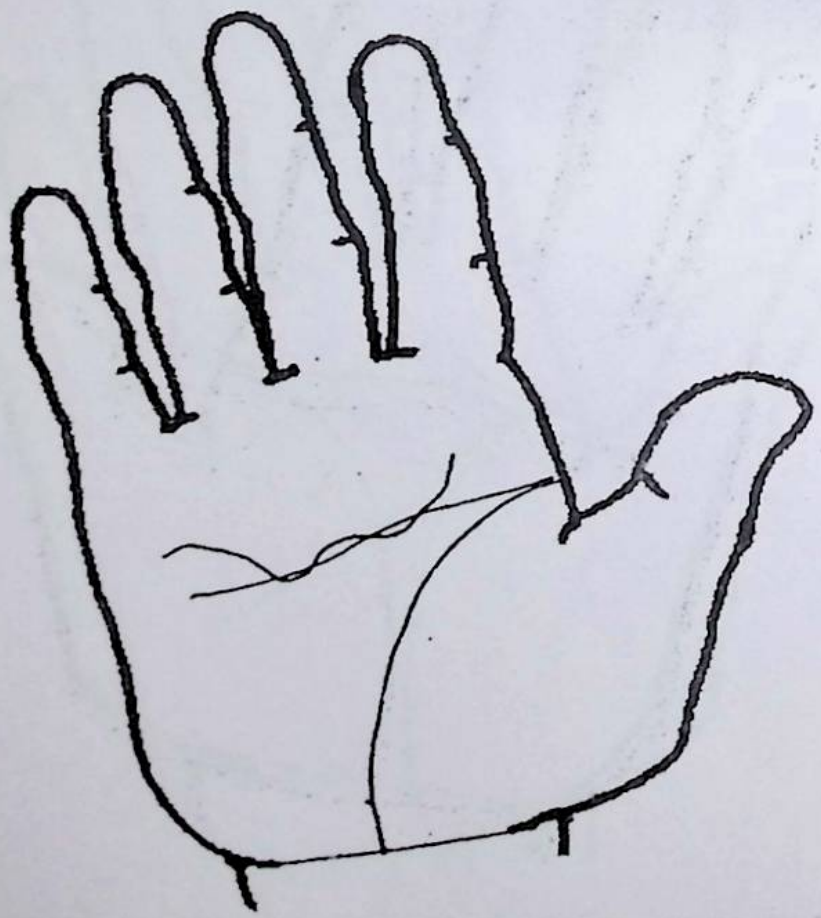



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## ४. मस्तिष्क रेखा हृदय रेखा पर लिपटी हुई

इसके विपरित यदि हृदय रेखा सुदृढ़ हो और मस्तिष्क रेखा उस पर लिपटी हुई अवस्था में हो तब जातक की बौद्धिक क्षमता अस्वस्थ हो जाती है तथा भावनाओं के कारण अत्यधिक भावुकता में कार्य करने वाला होता है।

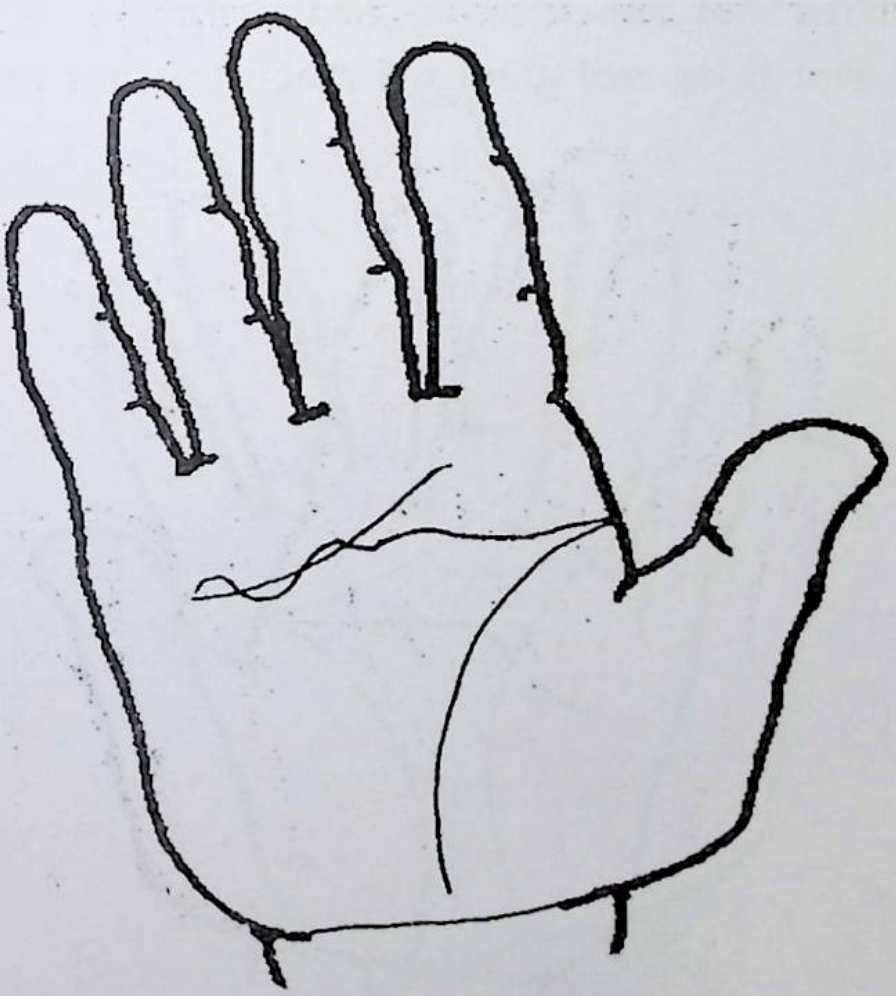



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 9. मस्तिष्क रेखा व हृदय रेखा आपस में मिलकर एक हो गई हो

जब जातक की मस्तिष्क रेखा हृदय रेखा से मिलकर एक हो जावे तब जातक का व्यवहार विसंगति से भरा हुआ रहता है क्योंकि बौद्धिक व भावनात्मक विचारों का कोई सामंजस्य नही होता व जातक स्वयं निर्णय लेने में सक्षम नहीं होता है वह स्वयं दुविधा पूर्ण स्थितियों में पड़ा रहता है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 10. मस्तिष्क रेखा का हृदय रेखा पर सूर्य के नीचे मिलाप

जब मस्तिष्क रेखा हृदय रेखा पर सूर्य पर्वत के नीचे जाकर मिल जावे, तब जातक भाग्यशाली तथा प्रेम संबंधों से अनायास धन प्राप्त करने वाला तथा सभी जगह लोकप्रिय होता है।

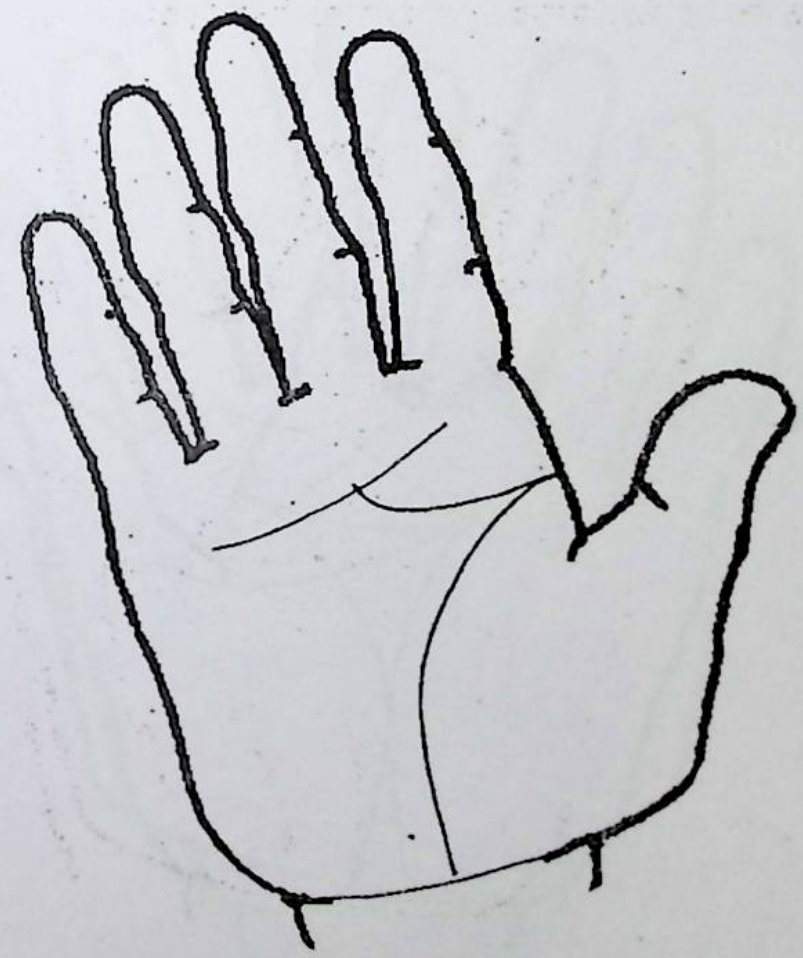



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 11. मस्तिष्क रेखा का हृदय रेखा पर शनि पर्वत पर मिलाप

जब मस्तिष्क रेखा हृदय रेखा पर शनि पर्वत के नीचे पहुँच कर मिले तब जातक भावनाओं में बहकर अनुचित कार्य कर लेता है जिनमें प्रेम प्रसंग मुख्य होते है और इनका परिणाम बड़ी दुर्घटना या प्रांणात होता है।

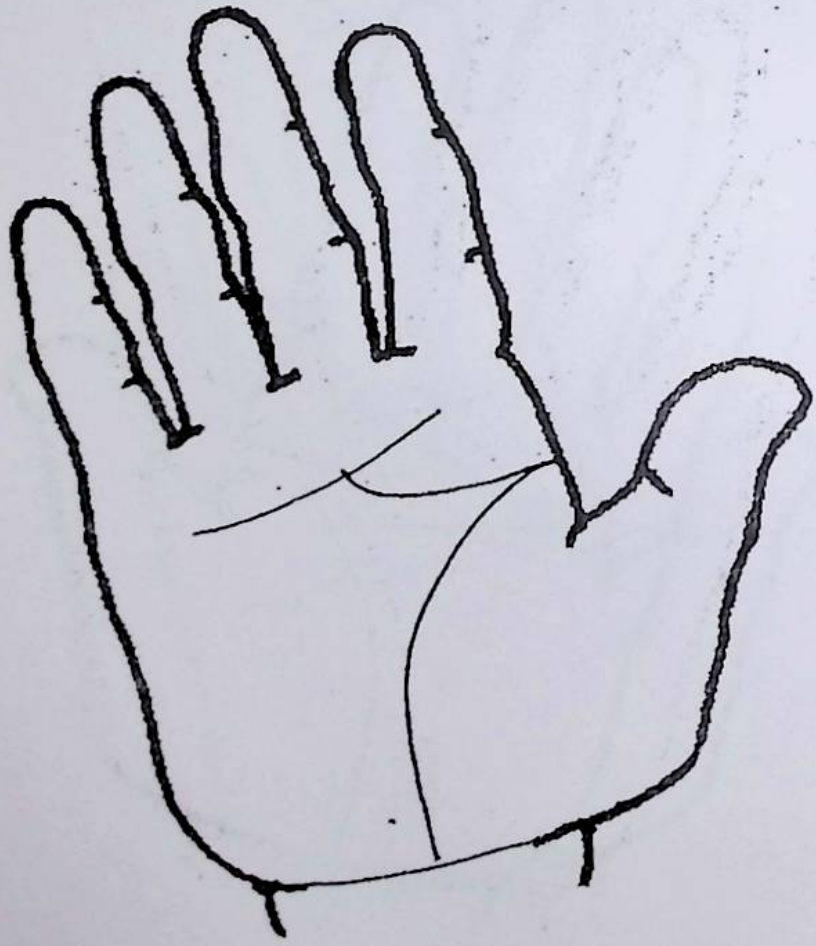



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 12. मस्तिष्क रेखा का हृदय रेखा पर बुध पर्वत पर मिलाप

यह रेखा हृदय रेखा पर बुध क्षेत्र पर जाकर मिले तब जातक में हिंसक व असहिष्णु भावना का उदय होता है। वह स्वार्थ व पैसे के लिये हत्या करने पर आमदा हो जाता है।

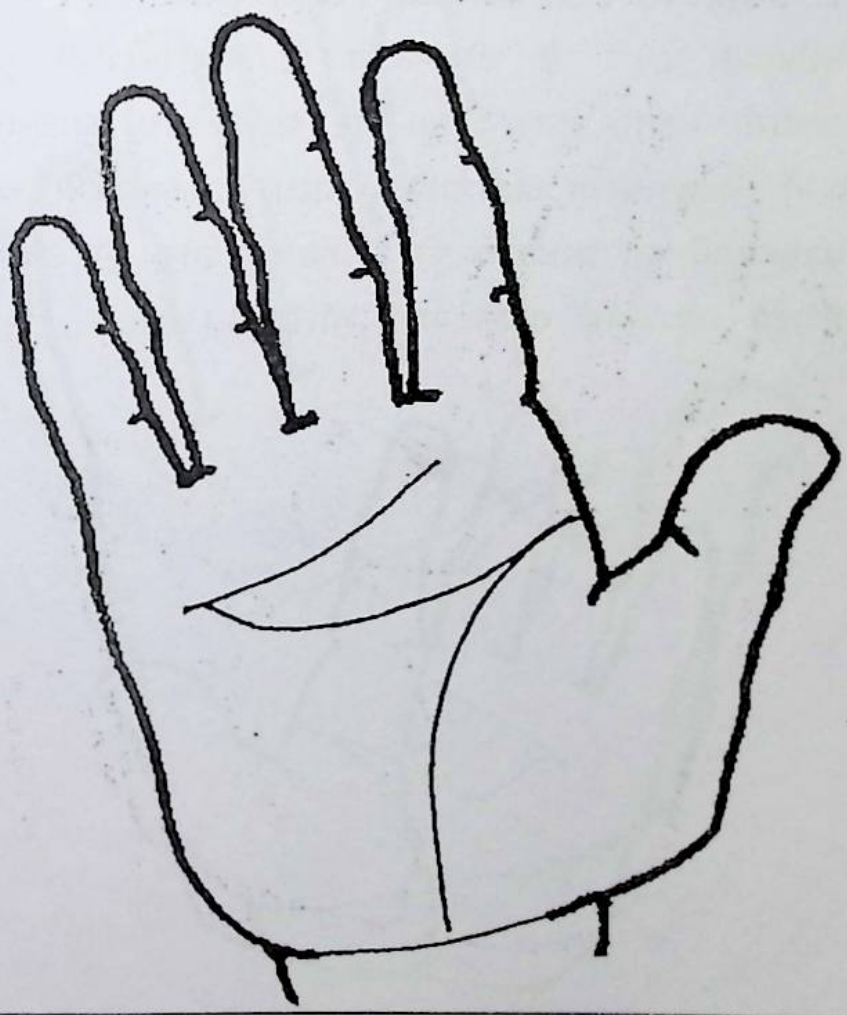



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 6. मस्तिष्क रेखा व प्रभावी रेखा

जब मुख्य रेखा के साथ प्रभावी रेखाएं या इन्हें हम शाखाएं भी कह सकते हैं। निकल कर अन्य रेखाओं या उर्ध्व या नीचे पहुँच कई प्रकार की संगतियां, विसगंति बनाती है। इन्हें हम विस्तृत रूप में अध्ययन करेंगे।

### 1. मस्तिष्क रेखा से उर्ध्व रेखाएं हृदय रेखा पर पहुँचे

मस्तिष्क रेखा से बीच–बीच में थोड़ी–थोड़ी दुरी पर उर्ध्व प्रभावी रेखाएं हृदय रेखा पर पहुँचे तब जातक संबंध बनाने में निपूर्ण तथा व्यवहारिक होता है तथा औपचारिकता तथा भावनाओं को प्रकट करने में निपूर्ण होता है अतः उसके सहयोगियों की कोई कमी नहीं होती है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 2. मस्तिष्क रेखा की शाखा गुरू पर्वत तक पहुँचे

मस्तिष्क रेखा पर से निकल कर प्रभावी रेखा गुरू पर्वत तक पहुँचे–तब जातक स्वाभीमानी तथा उच्च आकांक्षा तथा वचनों का पक्का होता है तथा प्रायः शिक्षक या शिक्षाविद् होता है।

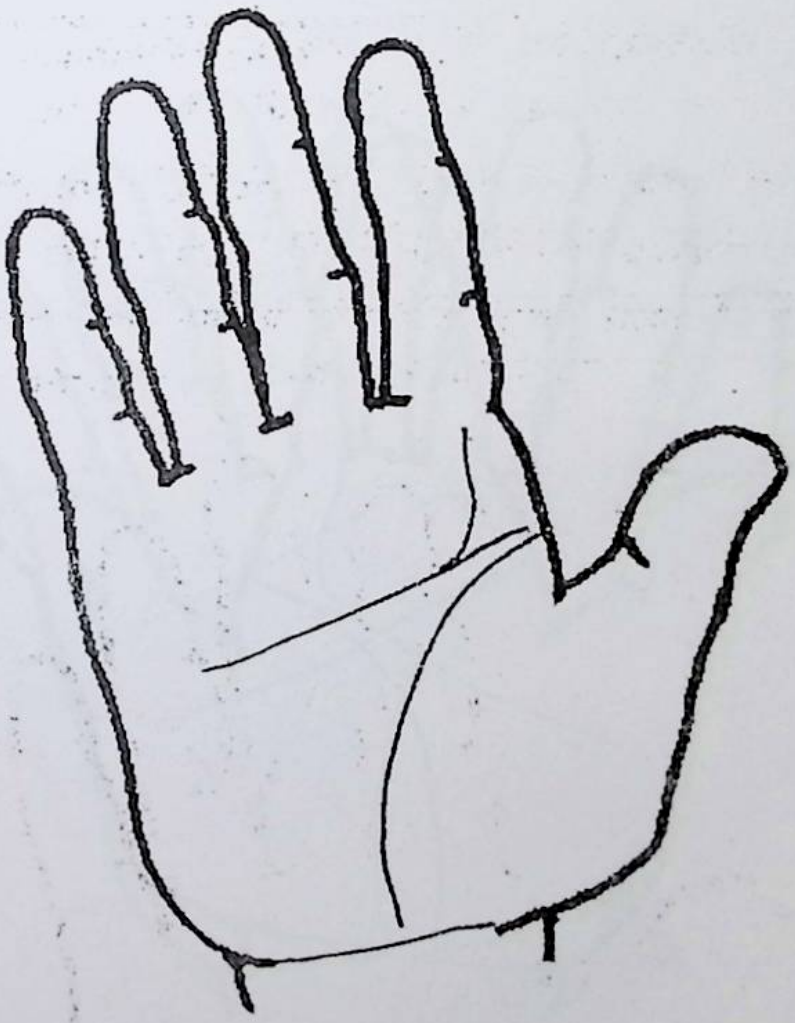



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 3. मस्तिष्क रेखा की शाखा तर्जनी के मूल तक पहुँचे

मस्तिष्क रेखा की शाखा तर्जनी के मूल तक पहुँचे तब जातक बौद्धिक क्षमताओं का धनी, सदैव आदर्शो का सहारा लेने वाला अपने लक्ष्य को निर्धारित कर सफलता प्राप्त करता है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



**4. मस्तिष्क रेखा की शाखा चंद्र क्षेत्र क्षेत्र से निकल हृदय रेखा पर पहुँचे**

जातक भावुक तथा प्रेम में अपनी भावनाओं पर काबु नहीं रख पाता तथा प्रेम संबंधों के कारण मन सदैव विचलित रहता है।

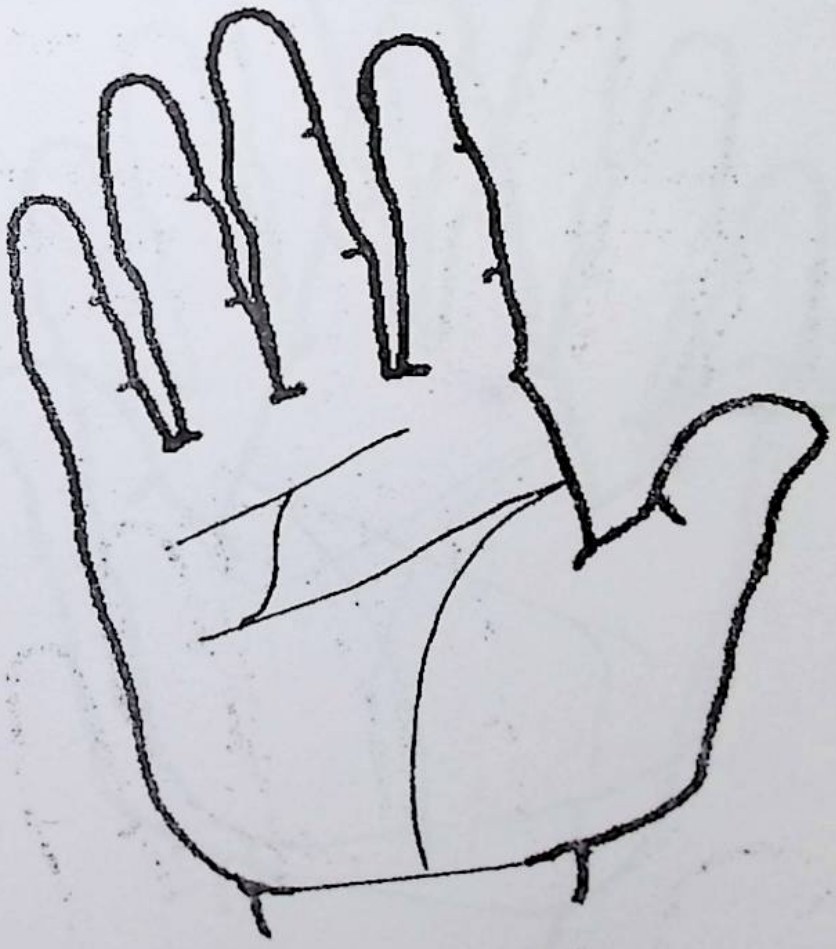



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 5. मस्तिष्क रेखा की शाखा चंद्र पर्वत पर मुड़ जावे

मस्तिष्क रेखा के अंत में कई शाखा चंद्र पर्वत पर मुड़ जावे तब जातक की कल्पना शक्ति बहुत बढ़ जाती है तथा मस्तिष्क में छठी इन्द्रिय ज्ञान प्राप्त होता है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



**6. मस्तिष्क रेखा की शाखा मुड़कर बुध क्षेत्र पर मुड़ जावे**

प्रभावी रेखा मुड़कर बुध क्षेत्र पर पहुँचे तब जातक व्यावसायिक बुद्धि वाला अथवा विज्ञान में रूचि रखने वाला तथा सफल वैज्ञानिक भी हो सकता है। जातक का बुद्धि चातुर्य बढ़ जाता है।

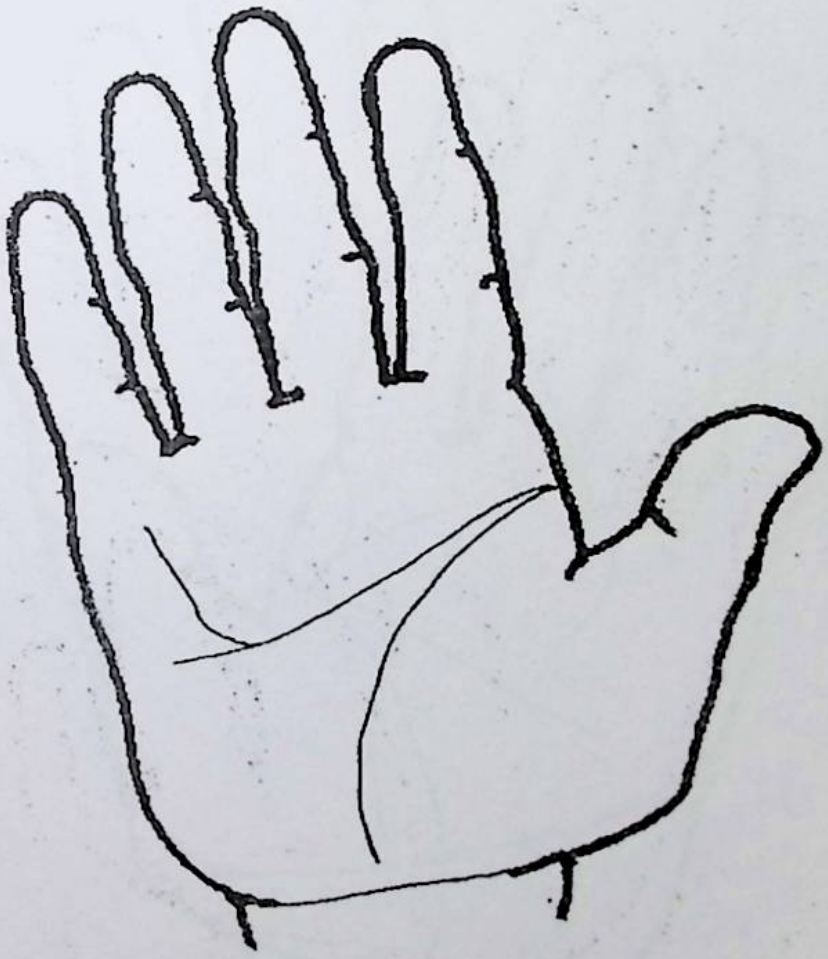



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



**7. मस्तिष्क रेखा की शाखा मुड़कर सूर्य क्षेत्र पर जावे**

जब प्रभावी रेखा मुड़कर सूर्य पर्व पर पहुँचे तब जातक गलत कर्मो में लिप्त होता है। उसकी जीविका का मूल्य साधन गलत कर्मो से ही होता है। विख्यात तस्कर, या मादक द्रव्यों का सरताज भी हो सकता है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



**४. मस्तिष्क रेखा की शाखा मुड़कर शनि क्षेत्र पर जावे**

जातक अध्ययनशील, धर्म के प्रति रूचि रखने वाला, रसायन शास्त्र का अच्छा ज्ञाता होता है। निरंतर कर्म में लगा रहने वाला सफलता तक पहुँचने वाला होता है।

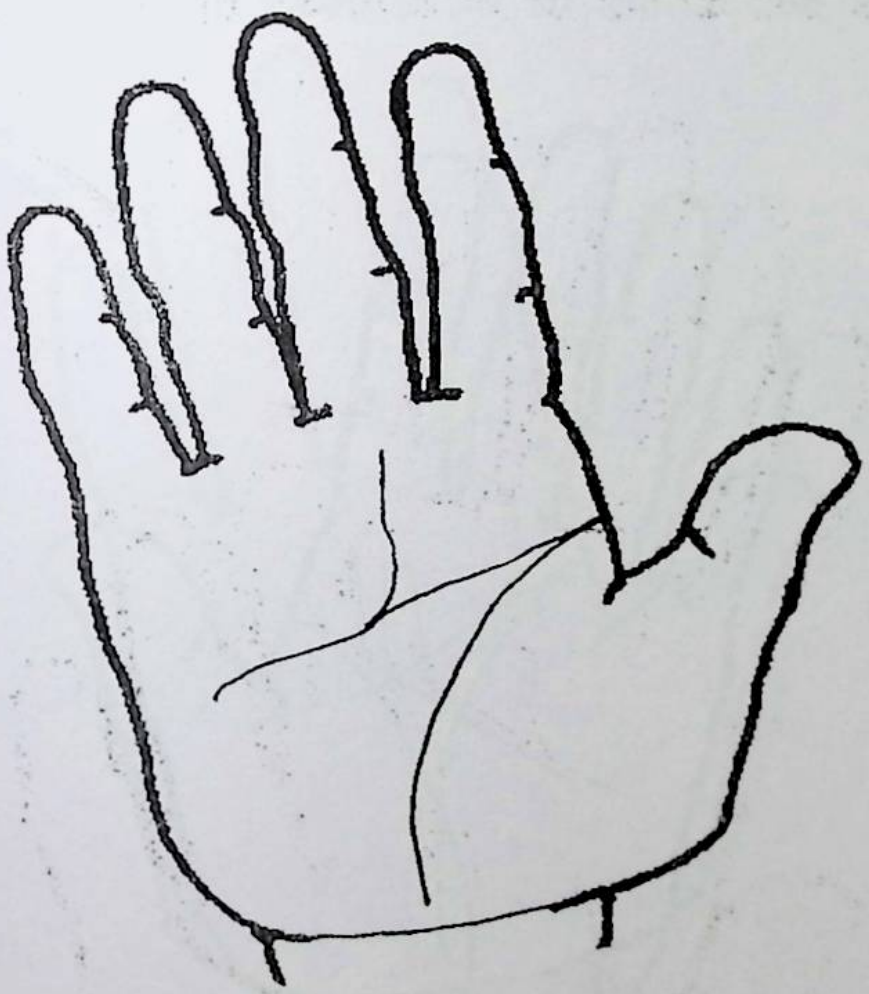



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



**9. मस्तिष्क रेखा पर गुरू पर्वत से उर्ध्व शाखाएं गुरू पर्वत पक पहुँचे**

मस्तिष्क रेखा के आरंभ से कई शाखाओं में प्रभावी रेखा गुरू पर्वत तक पहुँचे तब जातक कई विद्याओं में पारंगत तथा अपने लक्ष्य पर पहुँच कर दम लेने वाला होता है। जातक को अच्छा पद धन व ऐश्वर्य प्राप्त होता हैं।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



**10. मस्तिष्क रेखा शाखा गुरू पर्वत से शनि पर्वत पर मुड़ जावे**

शाखा पहले गुरू पर्वत पर्वत पर पहुँचे फिर शनि पर्वत पर मुड़ जावे तब जातक में आध्यात्म में काफी ऊँचाईयां प्राप्त कर वैराग्य धारण करता है। एकांत में भी दार्शनिक भाव रखने वाला होता है।

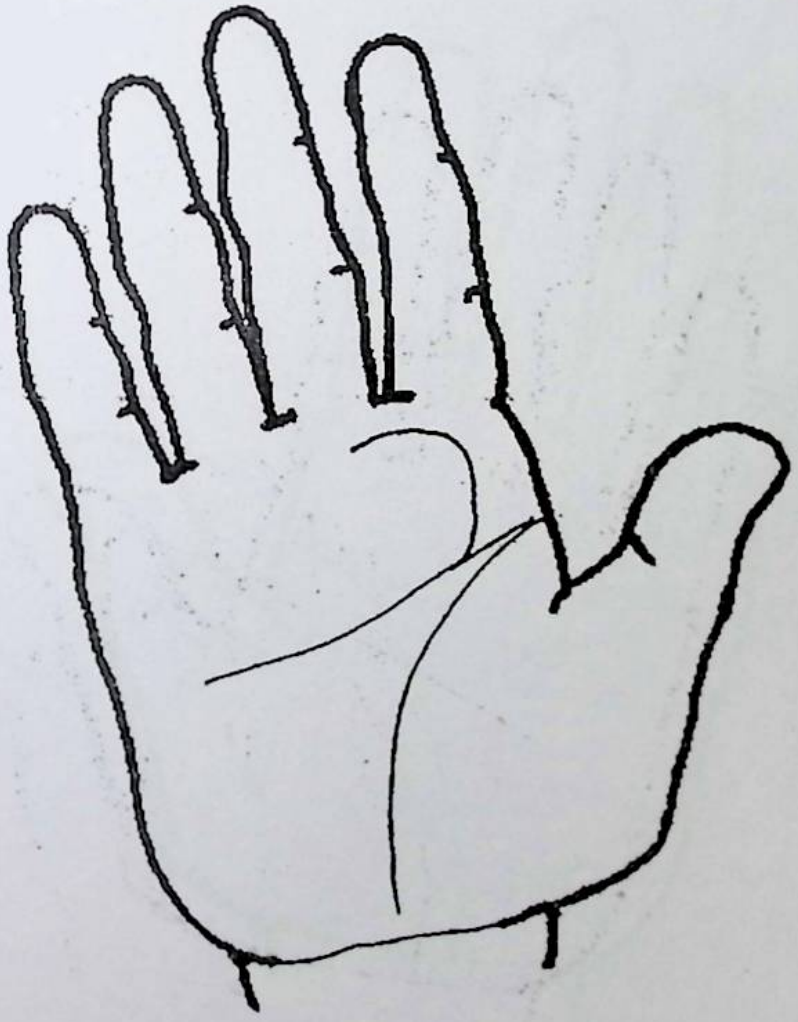



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



**11. मस्तिष्क रेखा की शाखा बुध क्षेत्र एवं सूर्य पर्वत क्षेत्र के मध्य हो**

मस्तिष्क रेखा की शाखा निकल कर दोनों पर्वत क्षेत्र के मध्य में पहुँचने पर जातक विश्लेषण दृष्टिकोण वाला सफल वैज्ञानिक या चिकित्सा के क्षेत्र में तरक्की करने वाला होता है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 12. मस्तिष्क रेखा की शाखाएं निकट बुध क्षेत्र पर पहुँचे

मस्तिष्क रेखा से कई प्रभावी रेखाएं बुध क्षेत्र पर पहुँचे तब जातक अपने व्यवसायी दृष्टिकोण में तकनीकी व आधुनिक विचारों का संबंध कर बड़ी व्यवसायिक उपलब्धियां प्राप्त करता है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 13. मस्तिष्क रेखा की शाखा चंद्र क्षेत्र में जावे

अ. नीचे पहुँचने वाली शाखा छोटी हो।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



ब. नीचे पहुँचने वाली शाखा बड़ी हो।

मस्तिष्क में भावनाओं का संतुलन छोटी होने पर व बड़ी होने पर भावनाएं मानसिक विचारों पर हावी होगी।



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



**14. मस्तिष्क रेखा की शाखा ऊपरी चंद्र क्षेत्र व मंगल क्षेत्र में हो**

एक शाखा चंद्र क्षेत्र में व दूसरी शाखा मंगल क्षेत्र में पहुँचे तब जातक दोहरे व्यक्तित्व का स्वामी, एक ओर व्यवहारिक दृष्टिकोण व दूसरी ओर मृदु स्वभाव वाला कल्पना लोक सें संगत कर सपनों को साकार करने वाला यर्थातवादी होता है। प्रायः साहित्यकार व रंगकर्मियों के हाथों में इस तरह की रचना देखने को मिलती है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 15. मस्तिष्क रेखा की शाखा चंद्र क्षेत्र में पहुँचे दो शाखाओं में विभक्त हो

मस्तिष्क रेखा चंद्र क्षेत्र में पहुँचकर दो शाखाओं में विभक्त हो तब जातक मनोरोगों से ग्रस्त, कामुक व गंदे विचारों से युक्त रहता है। उसके विचारों में काम भावनाओं की प्रधानता रहती है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



**16. मस्तिष्क रेखा अंत में पहुँच कर दो भागों में विभक्त हो एक दूसरे के विपरित दिशाओं में बड़े**

जब मस्तिष्क रेखा विभक्त हो एक बुध क्षेत्र व दूसरी चंद्र क्षेत्र में चली जाये तब जातक वाक्पटू अद्भूत व्यक्तित्व वाला सौंदर्य प्रेमी, व्यवसायिक दृष्टिकोण वाला, कला क्षेत्र में ख्याती प्राप्त कर धन कमाने वाला राजसी जीवन व्यतीत करता है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 17. मस्तिष्क रेखा–चंद्र क्षेत्र पर पहुँच तीन भागों में विभक्त हो जावे

जब मस्तिष्क रेखा अंत में तीन भागों में विभक्त हो, एक बुध क्षेत्र पर दूसरी मंगल क्षेत्र पर तीसरी चंद्र क्षेत्र पर पहुँचे तब जातक बहुमुखी प्रतिभा का धनी तथा बुद्धि चातुर्य वाला होता है। इनका व्यवसायिक दृष्टिकोण व कल्पनाशीलता का अनुठा संबंध होता है। अतः इन्टीरियर ड़ेकोरेटर, ड़िजाइनर, आर्किटिक्चर के हाथों पर इस तरह की संगति प्रायः देखने को मिलती है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 7. मस्तिष्क रेखा और चिन्ह

रेखाओं पर चिन्हों की स्थिति से जातक के फलित में बहुत परिवर्तन आ जाते है तथा चिन्ह अपने आप में शुभ व अशुभ फलों को छिपाएं रहते है इनका विस्तृत अध्ययन करेंगे।

### 1. मस्तिष्क रेखा को काटती आड़ी रेखाएं

जब जातक की मस्तिष्क रेखा को आड़ी छोटी–छोटी रेखाएं काट रही हो तब जातक में मस्तिष्क में मानसिक शक्ति का लोप तथा सिरदर्द बना रहेगा, किसी कार्य को करने के लिये त्वरित बुद्धि का लोप रहेगा।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 2. मस्तिष्क रेखा पर गो पूछ की आकृति

जब जातक की मस्तिष्क रेखा पर प्रारंभ या अंत में गो पूछ की आकृति बने तब जातक मनोरोग से ग्रस्त तथा आत्म विश्वास की कमी से ग्रस्त रहेगा।

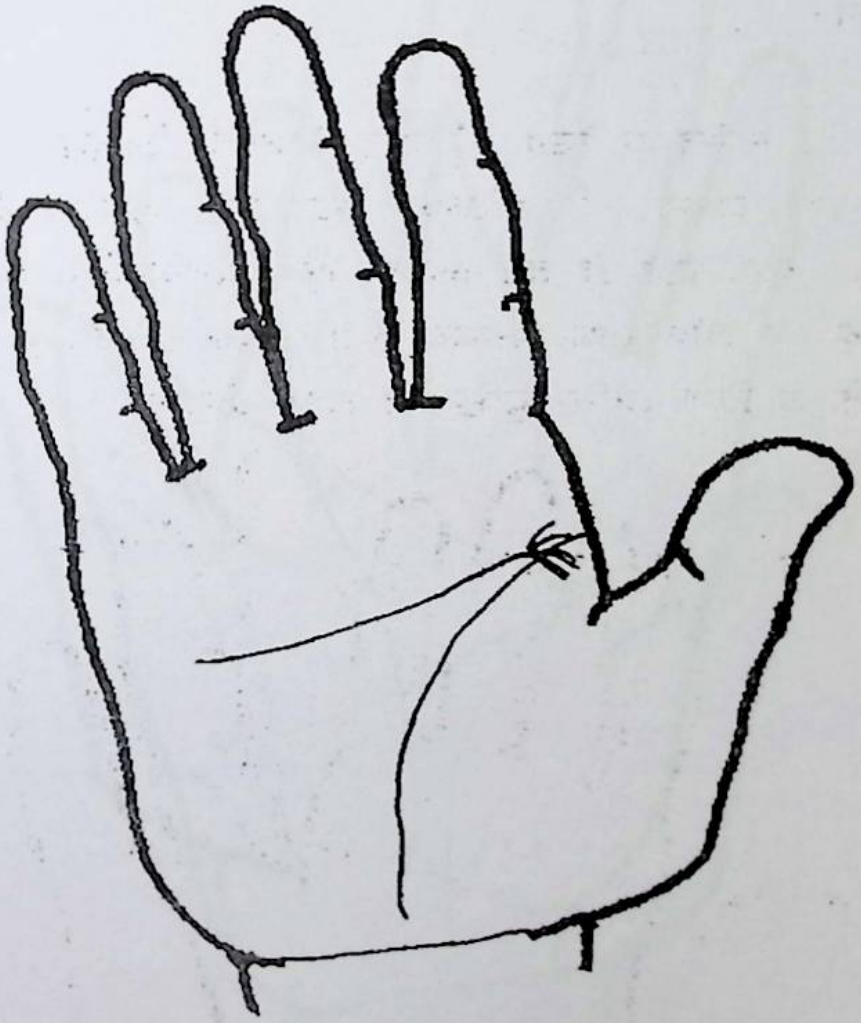



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## ३. मस्तिष्क रेखा पर त्रिभुज की आकृति

मस्तिष्क रेखा पर त्रिभुज की आकृति शुभ होती है। यह जिस पर्वत क्षेत्र के नीचे स्थित हो उसके सद्गुणों को बढ़ा देता है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



जैसे गुरू पर्वत क्षेत्र मे आध्यात्मिक गुणों में इजाफा होता है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



सूर्य क्षेत्र में पराक्रम व ऐश्वर्य, बुध क्षेत्र में वैज्ञानिक सफलता व व्यवसायिक के गुणों में इजाफा होता है।

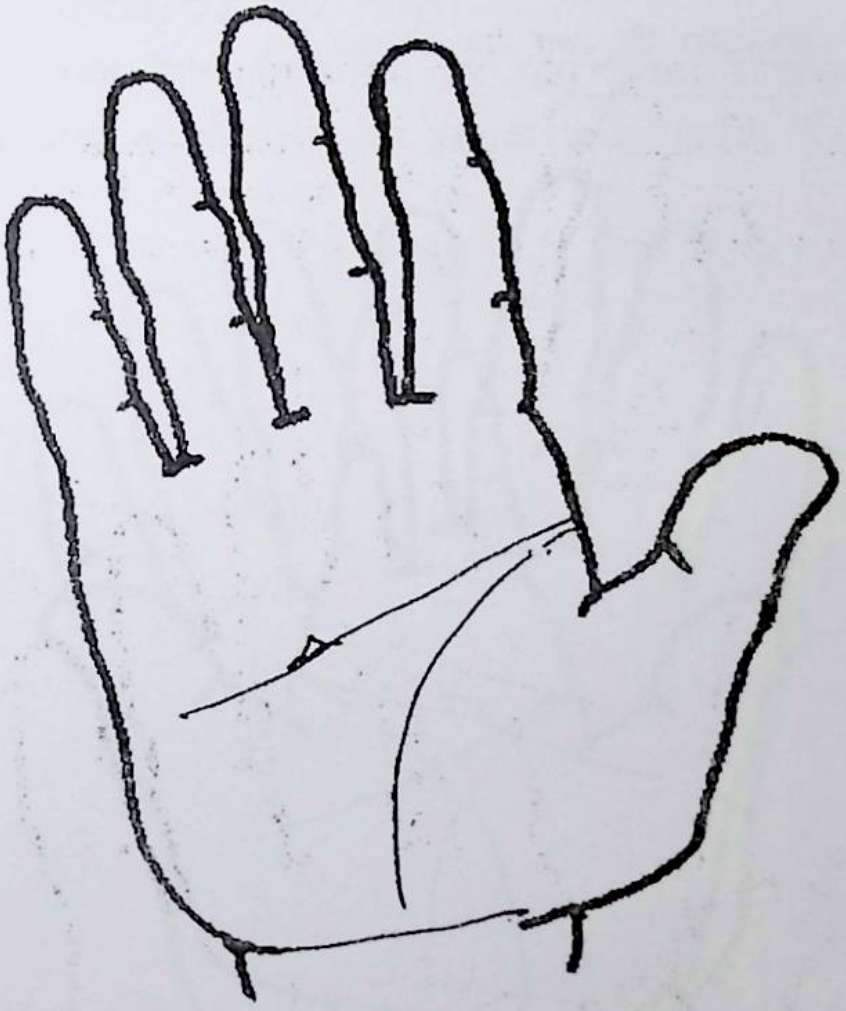



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 4. मस्तिष्क रेखा पर चतुर्भूज की आकृति

यह चिन्ह शुभ चिन्ह है तथा मस्तिष्क रेखा पर इसकी उपस्थिति संभावित दुर्घटना या मस्तिष्क चोट अथवा रोगों से ग्रस्त संभावना से रक्षा का द्योतक है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 5. मस्तिष्क रेखा पर द्विप चिन्ह

द्विप का चिन्ह अशुभता का वह इसकी उपस्थिति अलग–अलग स्थानों पर अलग–अलग है।

### अ. प्रारंभ पर द्विप चिन्ह

मस्तिष्क रेखा के प्रारंभ पर द्विप चिन्ह, मस्तिष्क में बिमारी तथा श्वसन तंत्र की खराबी प्रदान करती है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



**ब. मध्य में द्विप चिन्ह**

मस्तिष्क रेखा पर शनि क्षेत्र पर द्विप चिन्ह, कान संबंधी विकार या बहरेपन की निशानी हैं।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



स. अंत पर द्विप चिन्ह

मस्तिष्क रेखा पर अंत में द्विप चिन्ह स्मरण शक्ति के लोप को प्रकट करता है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## द. सम्पूर्ण रेखा द्विप चिन्हों से निर्मित हो

जब पूर्ण मस्तिष्क रेखा द्विप चिन्ह से निर्मित हो तब जातक का दिमाग कमजोर तथा बड़ी उम्र में मानसिक संतुलन खोने वाला भी हो सकता है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 6. मस्तिष्क रेखा पर वृत्त चिन्ह

मस्तिष्क रेखा पर वृत्त चिन्ह, नेत्र संबंधी विकार तथा अन्धत्व की निशानी है।

## 7. मस्तिष्क रेखा पर नक्षत्र चिन्ह अथवा क्रास

मस्तिष्क रेखा पर नक्षत्र का चिन्ह अशुभ फलदायक है तथा इसकी स्थिति पर संभावित दुर्घटना की द्योतक है।

**अ. जब मस्तिष्क रेखा के मध्य में नक्षत्र चिन्ह हो**

ऐसी अवस्था में सिर में चोट तथा इससे मृत्यु की पूर्ण संभावना रहती है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



**ब. मस्तिष्क रेखा का स्वास्थ्य रेखा के मिलन स्थल पर नक्षत्र**

ऐसी अवस्था में संतान वियोग अथवा बांझपन की पूर्ण संभावना हैं।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## स. मस्तिष्क रेखा पर चंद्र क्षेत्र में नक्षत्र चिन्ह

इस परिस्थिति में कई विसंगतियां है कई हस्त विशेषज्ञ इसे शुभ व कई इसे इस अवस्था मे अशुभ मानते है क्योंकि यह अवस्था दिमाग के मनोवेग को बहुत बढ़ा देती है व जातक दिमागी संतुलन खो आत्म हत्या तक कर लेता है परन्तु अन्य रेखाओं की स्थिति में कल्पनाशीलता को वृहद् आयाम मिलने से जातक कल्पनाओं को साकार कर सफलता व ख्याति प्राप्त, कलाकार, शिल्पकार या इंजीनियर भी बन सकता है व समाज में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करता है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



**द. मस्तिष्क रेखा मणिबंध पहुँचे व नक्षत्र चिन्ह हो**

मणिबंध पर पहुँच व अंत में नक्षत्र का चिन्ह होने पर शुभ फलदायक है। जातक अत्यधिक भाग्यवान व सर्वगुणों से सम्पन्न होता है। सफलताएं प्राप्त कर जीवन में सर्वोच्च स्थान पर पहुँचता है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## ४. मस्तिष्क रेखा पर धब्बे

मस्तिष्क रेखा पर धब्बे अशुभ फलदायक है तथा स्थान विशेष पर रोग ग्रस्त, बहरे पन, दांत से संबंधित बिमारी उत्पन्न करते है।

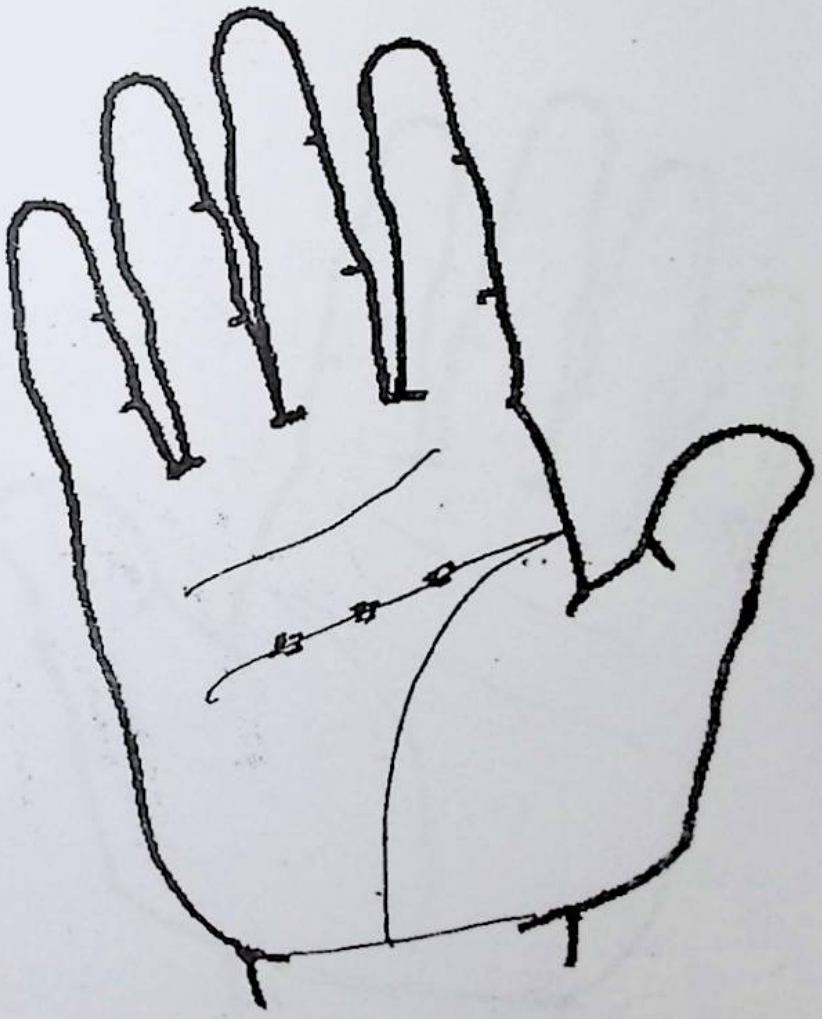



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri



## 9. मस्तिष्क रेखा पर तिल

तिल का चिन्ह शुभ है। यह प्रारंभ में हो तो वैभव के साथ सुखी जीवन व्यापन करता है। अंत में होने पर जातक विलासपूर्ण जीवन व्यतीत करता है।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

SHREE
MAHARSHI COLLEGE OF VEDIC ASTROLOGY
306, Arihant Plaza, Udaiapole, UDAIPUR-313001, RAJASTHAN, (INDIA)
Phone : 0294-2427211, Mobile : 98292-43211
E-mail : mcvaadmission@gmail.com
website : www.mcvudaipur.com

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh